राहुल ने पीएम मोदी पर कसा... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 112 | गाजियाबाद / शनिवार 25 जुलाई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

आर्टिकल 370 के लिए नेशनल.. 11

गुजरात से लेकर महाराष्ट्र तक बारिश का तांडव

● अहमदाबाद-सूरत समेत 5 शहरों में पानी भरा, बाजार डूबे ● यूपी में सड़क पर नाव चली, असम में बाढ़ से त्राहिमाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में मानसून की बारिश जारी है। दक्षिण गुजरात में भारी बारिश से कई जिले बाढ़ की चपेट में हैं। वलसाड के उमरगाम तालुका में 16 घंटों में 43 इंच बारिश हुई, जिससे निचले इलाके डूब गए हैं। राज्य के 11 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। नवसारी में बाढ़ में फंसे लोगों को हेलीकॉप्टर से एयरलिफ्ट किया गया। अहमदाबाद, सूरत में पानी भर गया। वाव-थराद जिले में बाजार डूब गए। वहीं महाराष्ट्र के भी बुरे हाल हैं। कई जिलों में बारिश आपदा बन गई है। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश के चलते गंगा, यमुना समेत 10 नदियां उफान पर हैं। सीतापुर में पानी सड़क पर भर गया। ग्रामीण नाव से आ-जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, बक्सर, गोपालगंज, सारण, वैशाली और सिवान समेत बिहार के 19 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

गुवाहाटी में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, बढ़ी समस्या

असम की राजधानी गुवाहाटी में पिछले कुछ घंटों से हो रही मूसलाधार बारिश ने शहर की रफ्तार पर पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। पूरे शहर में पानी भर जाने के कारण सड़कों पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है, जिसमें हजारों गाड़ियां और लोग घंटों से फंसे हुए हैं। सोशल मीडिया पर एक साथ जारी कई वीडियो में देखा जा सकता है कि बारिश इतनी तेज थी कि देखते ही देखते शहर के ज्यादातर इलाके जलमग्न हो गए। मुख्य सड़कों, बाजारों और रिहायशी इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया है। सड़कों पर जलभराव के कारण कई गाड़ियां और बाइक पानी में बंद हो गई, जिससे गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। ऑफिस से घर लौट रहे लोग और स्कूली बच्चे घंटों तक जाम में फंसे रहने को मजबूर हैं। बता दें कि शहर के प्रमुख क्षेत्रों जैसे जीएस रोड, जू रोड, गणेशगुड़ी में स्थिति सबसे ज्यादा खराब है।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय गीत का अपमान करना अब पड़ेगा भारी

नित्यानंद राय ने राज्यसभा में पेश किया वंदे मातरम बिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस ऐतिहासिक फैसले का मकसद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी वही कानूनी सुरक्षा देना है, जो अभी राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान यानी जन गण मन को मिली हुई है। अगर यह बिल संसद से पास हो जाता है, तो जानबूझकर वंदे मातरम के गायन में बाधा डालना,

उसे रोकना या कार्यक्रम में व्यवधान पैदा करना कानून के तहत अपराध माना जाएगा। सरकार का कहना है कि यह कदम राष्ट्रीय सम्मान और देश की सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए उठाया गया है। यह बिल 1971 के राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव करता है। अभी इस कानून के तहत राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रीय गान का अपमान दंडनीय है। संशोधन के बाद राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी इसी कानून के दायरे में लाया जाएगा। बिल के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम के गायन को रोकता है या उसमें बाधा डालता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई हो सकेगी। ऐसे मामले में अधिकतम तीन साल की जेल, जुर्माना या दोनों की सजा का प्रावधान प्रस्तावित किया गया है। हालांकि, यह तभी लागू होगा जब बिल संसद से पास होगा।

माता-पिता की जगह मोबाइल ले रहा, यह आपदा है

संयुक्त परिवार को लेकर सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त परिवार प्रणाली के लगातार खत्म होने और एकल परिवारों में बच्चों को समय देने के बजाय मोबाइल-गैजेट्स थमा देने पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता और नाराजगी जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि माता-पिता की जगह गैजेट्स (मोबाइल) ले लेंगे, तो यह स्थिति समाज के लिए विनाशकारी साबित होगी और आने वाली पीढ़ी पारिवारिक रिश्तों व बंधनों से पूरी तरह अनजान हो जाएगी। दरअसल, हाल ही में पति-पत्नी की हत्या की घटनाओं में, जिनमें सोनम रघुवंशी का मामला भी

शामिल है, इसका विश्लेषण करते हुए स्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की पीठ ने कहा कि यह बदलते समाज का प्रतिबिंब है। पीठ ने कहा कि वर्तमान पीढ़ी अधिक बुद्धिमान और जानकार है, लेकिन आज की पीढ़ी अत्यधिक दबाव झेलने में सक्षम नहीं है। कोर्ट ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आजकल लोग व्हाट्सएप पर प्रसारित संदेशों पर भरोसा करते हैं और उन्हें ज्ञान मान लेते हैं। अदालत की चिंता से सहमत होते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह एक सामाजिक समस्या बन गई है और मानवीय संबंधों में विश्वास कम हो रहा है तथा सहिष्णुता की कमी हो रही है।

नहीं बनी बात, प्रधान के इस्तीफे पर अटकी गाड़ी

● कॉकरोच पार्टी अड़ी, बोली-इस्तीफे पर समझौता नहीं

सरकार ने मांगा समय, केस वापसी पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी और सरकार के बीच शुक्रवार को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में बैठक हुई। इसमें सरकार की तरफ से केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह और सीजेपी की तरफ से सौरभ दास, आशुतोष रांका शामिल हुए। बैठक के बाद सीजेपी के प्रवक्ताओं ने कहा, हम धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं करेंगे। सरकार ने मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज केस वापस लेने पर सहमति जताई है। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने बताया, 'दो घंटे की बातचीत में सीजेपी ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं। हमनें ने इस पर विचार करने के लिए कल तक का समय मांगा है।' कॉकरोच जनता पार्टी के प्रतिनिधियों से करीब 2 घंटे तक चली बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, 'संगठन ने सरकार के सामने 3 प्रमुख मांगें और परीक्षा प्रणाली में सुधार के 5 सुझाव रखे हैं।

सोनम वांगचुक की भूख हड़ताल 27वें दिन खत्म

नड्डा ने जूस पिलाया, वांगचुक बोले-तीन मांगों पर लिखित आश्वासन मिला

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक के खिलाफ 27 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे सोनम वांगचुक ने गुरुवार देर रात अपना अनशन खत्म कर दिया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल पहुंचे, जहां नड्डा ने वांगचुक को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। वांगचुक ने शुक्रवार सुबह जारी वीडियो संदेश में कहा कि पिछले दो दिन से सरकार के साथ उनकी लगातार बातचीत चल रही थी। इस दौरान उनकी तीन प्रमुख मांगों पर चर्चा हुई। सरकार की ओर से इन मांगों पर लिखित आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया। वांगचुक ने कहा, सरकार छात्रों पर केस दर्ज नहीं करेगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने एजुकेशन सिस्टम को कर दिया ध्वस्त

● राहुल गांधी बोले-उनकी वजह से हजारों लोग सड़क पर ● कांग्रेस नेता ने कहा-वह क्रिमिनल शिक्षा मंत्री, इस्तीफा दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने शुक्रवार को कहा कि धर्मेंद्र प्रधान एक अपराधी शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वे हमारे एजुकेशन सिस्टम के ध्वस्त होने का प्रतीक हैं। उन्हें जाना ही होगा। उन्हीं की वजह से हजारों लोग बाहर हैं। राहुल ने पैलेट गन से घायल छात्रों से मुलाकात की। वे एक घायल छात्र को साथ में लेकर मीडिया के सामने आए। उन्होंने छात्र के हाथ में लगे घाव को दिखाया। राहुल ने कहा- मैं यह बताना चाहता हूं कि यहां खड़ा मेरा भाई उस समय पैलेट गन से घायल हो गया था, जब वह तिरंगा लेकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध-प्रदर्शन कर रहा था। सरकार का कहना है कि पैलेट गन का इस्तेमाल नहीं किया गया था। उसकी आंख को नुकसान पहुंचा है और उसकी देखने की क्षमता चली गई है।

बिहार के सरकारी स्कूलों में फिर से हाफ-डे शनिवार!

● 7 दिनों में होगा फैसला, सीएम सम्राट चौधरी ने दी जानकारी

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद को बताया कि बिहार सरकार द्वारा एक सप्ताह के भीतर यह निर्णय लिए जाने की उम्मीद है कि क्या सरकारी स्कूलों को शनिवार को आधे दिन के कार्यक्रम में वापस लाया जाना चाहिए। यानी आधे दिन स्कूल और आधे दिन छुट्टी। सत्ताधारी गठबंधन और विपक्ष दोनों के सदस्यों ने यह मुद्दा उठाया और सरकार से शनिवार के पहले वाले समय को बहाल करने और स्कूल के समय को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप करने का आग्रह किया। इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए सम्राट चौधरी ने कहा कि शनिवार को आधे दिन की कक्षाएं फिर से शुरू करने के प्रस्ताव की जांच की जाएगी और जल्द निर्णय लिया जाएगा।

सम्राट चौधरी ने दिया सदस्यों को भरोसा

सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में इस मुद्दे की जांच करेगी और अंतिम निर्णय लेने से पहले शिक्षकों, छात्रों और अन्य हितधारकों से सुझाव मांगेगी। शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि वह अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करने से पहले वर्तमान स्कूल कार्यक्रम, छात्रों की सुविधा और शनिवार की कक्षाओं के सीखने के परिणामों पर पड़ने वाले प्रभाव की समीक्षा करेगा। बिहार के सरकारी स्कूलों में शनिवार को आधे दिन की पढ़ाई बहाल करने के संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

विधान परिषद में उठा मुद्दा

एमएलसी नवल किशोर यादव, संजीव सिंह और जीवन कुमार ने सरकारी स्कूलों में शनिवार को पूरे दिन की कक्षाएं जारी रखने को लेकर शिक्षा विभाग से सवाल किया। विधायकों ने याद दिलाया कि पूर्व शिक्षा मंत्री ने सदन को आश्वासन दिया था कि शनिवार को आधे दिन की पढ़ाई फिर से शुरू की जाएगी। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मौजूदा समय सारिणी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरूप बनाया जाना चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सोमवार से शुक्रवार तक लगभग पांच से साढ़े पांच घंटे की कक्षा शिक्षण अवधि निर्धारित की गई है।

● पेपर लीक संशोधन बिल को कैबिनेट की मंजूरी

10 साल जेल और 10 करोड़ रुपए जुर्माने का प्रावधान

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले को लेकर छात्रों के जारी विरोध-प्रदर्शन के बीच केंद्र सरकार पेपर लीक और नकल के खिलाफ मौजूदा कानूनों को और सख्त करने की योजना बना रही है। प्रधानमंत्री के देर रात जारी वीडियो संदेश में और कार्रवाई का वादा करने के एक दिन बाद सरकार पब्लिक एग्जामिनेशन (अनुचित साधनों की रोकथाम) एक्ट, 2024 में संशोधन करने की योजना बना रही है ताकि इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। बताया जा रहा है कि पेपर लीक मामलों में 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपये तक का जुर्माने का प्रावधान किया जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि शुक्रवार दोपहर को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस मामले को लेकर मंजूरी दे दी गई है।

ईरान पर सबसे बड़े हमले की तैयारी में अमेरिका

● ट्रम्प बोले-फैसला लेना बाकी; ईरान ने कहा-इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

तेहरान/वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर सबसे बड़ा हमला करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, तैयारी पूरी है, अब सिर्फ फैसला लेना बाकी है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि ईरान ने अभी तक पर्याप्त दर्द नहीं झेला है। ट्रम्प के बयान के बाद ईरान ने भी तुरंत जवाब दिया। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अगर अमेरिका ने हमले जारी रखे तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। युद्ध खत्म करने का रास्ता बातचीत है नए हमले नहीं।

धार में चालीसपीर दरगाह पर नहीं पढ़ी जुमे की नमाज

धार (एजेंसी)। धार में जुमे की नमाज को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं हो सकी है। गुरुवार देर रात जिला प्रशासन और मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधियों के बीच करीब दो घंटे तक बैठक चली, लेकिन नमाज के वैकल्पिक स्थान को लेकर सहमति नहीं बन पाई।

इसके चलते शुक्रवार को प्रशासन द्वारा

मुस्लिम पक्ष भोजशाला के पास वाली जगह के लिए अड़ा

निर्धारित मालीवाड़ा में चालीसपीर दरगाह के पास जुमे की नमाज अदा करने के लिए कोई नहीं पहुंचा। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन और पुलिस की ओर से मौके पर सभी इंतजाम किए गए थे। धार के सदर अब्दुल समद ने कहा- प्रशासन सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं कर रहा है। चालीसपीर दरगाह के पास निर्धारित स्थान पर नमाज नहीं पढ़ी जाएगी। इसके बजाय जुमे की नमाज आसपास की मस्जिदों में अदा की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने भोजशाला के पास जगह देने के लिए कहा था- इससे पहले बीती 14 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को निर्देश दिया था कि हर शुक्रवार दोपहर 1 से 3 बजे के बीच नमाज के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जाए। इसके बाद जिला प्रशासन ने मालीवाड़ा गांव में चालीसपीर दरगाह के पास नमाज की जगह निर्धारित की थी, लेकिन मुस्लिम समुदाय ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने दलील दी थी कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया स्थान भोजशाला से करीब दो किलोमीटर दूर है और यह कोर्ट के आदेश की भावना के अनुरूप नहीं है। इस पर अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार को भोजशाला परिसर के बाहर या उससे सटे क्षेत्र में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रशासन का नया प्रस्ताव भी ठुकराया

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन ने गुरुवार रात मुस्लिम समुदाय को चर्चा के लिए बुलाया और अन्य संभावित स्थानों का प्रस्ताव रखा। इन प्रस्तावों को भी अस्वीकार कर दिया गया। मुस्लिम समाज का कहना है कि उन्हें उनके पारंपरिक स्थान पर ही नमाज अदा करने की अनुमति दी जाए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश में भी नमाज के लिए भोजशाला के नजदीक स्थान उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

प्रदर्शन में पैलेट गन दागी, युवक का कान कटकर नीचे गिरा

मेडिकल रिपोर्टों में दर्ज हुए चोटों के निशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों की मेडिकल रिपोर्टों में ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे पैलेट गन और रबर बुलेट के इस्तेमाल की आशंका मजबूत हुई है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

घायलों की मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टों में कई गंभीर चोटों का उल्लेख किया गया है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जारी एक महिला प्रदर्शनकारी टोप्पो की रिपोर्ट में संदिग्ध गोली लगने से चोट दर्ज है। टोप्पो का दावा है कि उन्हें रबर बुलेट लगी थी, जिससे उनके दाहिने कान का एक हिस्सा कटकर जमीन पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय पुलिस आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी और फायरिंग भी की जा रही थी। इसी दौरान उनके कान पर रबर बुलेट लगी और कान का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय एक पत्रकार की मेडिकल रिपोर्ट में कमर और हाथों पर पैलेट इंजरी के निशान दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि जंतर-मंतर पर पैलेट गन से हमला हुआ था। घायल पत्रकार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि उनके शरीर में कई छर्रे धंसे हुए हैं, जिन्हें अधिक संख्या में होने के कारण सर्जरी के जरिए निकालना आसान नहीं है। प्रदर्शन में घायल 19 वर्षीय साहिल का इलाज एम्स में चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उनकी दाहिनी आंख में पैलेट घुस गया, जिससे आंख में गंभीर चोट आई है और एक और सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अलावा उनके चेहरे, गर्दन, छाती और पेट में भी कई छर्रे फंसे हुए हैं। वहीं लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक अन्य घायल मंसूरी ने बताया कि उनके चेहरे और गर्दन से छर्रे निकालने के लिए दो सर्जरी करनी पड़ीं। उनका कहना है कि आंसू गैस का गोला फटने के बाद उन्हें चेहरे पर तेज जलन महसूस हुई और बाद में गंभीर चोटों का पता चला।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन या रबर बुलेट के इस्तेमाल से स्पष्ट इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के पास दंगा नियंत्रण के उपकरण होते हैं, लेकिन उनके इस्तेमाल को लेकर वे कोई पुष्टि नहीं कर सकते। वहीं सीआरपीएफ ने इस पूरे मामले पर आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार आरएएफ के पास पैलेट गन जैसे दंगा-रोधी उपकरण उपलब्ध होते हैं और भीड़ नियंत्रण के दौरान उनका उपयोग किया जा सकता है। मेडिकल रिपोर्टों के सामने आने के बाद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। अब इस मामले में स्वतंत्र जांच और संबंधित एजेंसियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

बुलावा नहीं आया, तो सोशल मीडिया पर छलका दर्द-ए-दिल, भाजपा में सब कुछ ठीक है?

मुंबई (एजेंसी)। गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पूर्वांचल के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर के लोकार्पण समारोह से एक राजनीतिक संदेश भी निकलकर सामने आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल का दर्द सोशल मीडिया पर सुर्खियां बन गया। उन्होंने लिखा कि घर के सामने फ्लाईओवर का उद्घाटन हुआ, जाने की इच्छा भी थी, लेकिन निमंत्रण नहीं मिला।

राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा में अब निमंत्रण भी राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बन गया है? चार बार गोरखपुर शहर से विधायक रह चुके और वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री जैसे अहम पद पर बैठे नेता को यदि मंच तक बुलावा नहीं मिले, तो इसे महज प्रशासनिक चूक मानना आसान नहीं होगा।

डॉ. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए जनता को बधाई भी दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को टैग कर अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर दी। अब राजनीतिक विश्लेषक इसे फ्लाईओवर से ज्यादा ऊंची होती सियासी दूरियां बताकर चर्चा कर रहे हैं। आखिर बुलावे की राजनीति में किसका कद बढ़ा और किसका घटा, यह सवाल फिलहाल गोरखपुर की सियासत में सबसे ज्यादा गूंज रहा है।

दिल्ली में आज भी 17 मेट्रो स्टेशन बंद, यात्रियों को परेशानी

-तीन स्टेशनों पर इंटरचेंज सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते दिल्ली में यातायात व्यवस्था प्रभावित बनी हुई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को भी 17 मेट्रो स्टेशनों को सुबह 7:30 बजे से अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया है। हालांकि यात्रियों की सुविधा के लिए राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। बंद रहने वाले स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को भी मध्य दिल्ली में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही थी। कई प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग और मेट्रो स्टेशनों के बंद रहने से लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने बताया कि मेट्रो सेवा प्रभावित होने के कारण उनके सफर में 40 से 45 मिनट तक अतिरिक्त समय लगा। शाम के समय दफ्तरों की छुट्टी के बाद स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। बसों में भीड़ बढ़ गई और कई लोगों को घर पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से यात्रा की योजना बनाकर निकलने की अपील की है।

हजारीबाग में मुठभेड़ के बाद राहुल दुबे गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, एक जख्मी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के पुलिस और राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अपराधी पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गिरोह के सदस्य चंद्रगुप्त कोल परियोजना क्षेत्र में लेवी वसूलने की फिराक में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। इसी सूचना पर केरेडारी थाना और पगार ओपी की संयुक्त टीम ने बुकरु गांव के पास ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने जंगल की ओर भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लगी। घायल अपराधी को इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल और एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की है। घटना की सूचना पर हजारीबाग एसपी अमन कुमार और बड़कागांव एसडीपीओ अमित आनंद ने भी मौके का मुआयना किया। गिरफ्तार अपराधियों से राहुल दुबे गिरोह के नेटवर्क और लेवी वसूली से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

असम में कई इलाके जलमग्न, बाढ़ से 7.21 लाख लोग प्रभावित, 6 लोगों की हुई मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कई हिस्से जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 7.21 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। एएसडीएमए के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में देखा गया है, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुष्टि की कि अब तक बाढ़ के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। शिवसागर में 4, जबकि चराइदेव जिले में दो लोग बाढ़ की चपेट में आए। बाढ़ की ताजा रिपोर्ट में किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 5 राजस्व सर्कल और 17 इलाके या वार्ड प्रभावित हुए हैं, जिससे 592 लोग प्रभावित हुए हैं। शहरी इलाकों में पानी भरने से कई निचले इलाकों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित जिलों में राहत सुविधाएं शुरू की हैं। अभी 103 राहत शिविर और 255 राहत वितरण केंद्र चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 24,000 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं, जबकि 2.39 लाख से ज्यादा लोगों को मदद पहुंचाई गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सबसे अधिक प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, अग्निशमन व आपातकालीन सेवाएं और जिला प्रशासन की टीमें राहत व बचाव अभियान में जुटी हैं।

आंदोलन का असर चुनाव की तैयारियों पर दिखा, भाजपा नेतृत्व हुआ सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्रों और विभिन्न संगठनों के आंदोलनों का असर अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी दिखाई देने लगा है। भाजपा नेतृत्व चुनाव से पहले किसी भी प्रकार के जनाक्रोश को लेकर सतर्क हो गया है। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश मंत्रियों और विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने तथा जनता के बीच लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी संगठन ने जनप्रतिनिधियों से कहा है कि वे बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करें, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में चल रहे आंदोलनों और विपक्ष के हमलों को देखते हुए भाजपा चुनावी माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के दौरे और जनसंपर्क अभियानों की निगरानी भी कर रहा है। वहीं विपक्ष का दावा है कि भाजपा जनता के बढ़ते असंतोष से चिंतित है, जबकि भाजपा का कहना है कि यह चुनाव पूर्व सामान्य संगठनात्मक तैयारी का हिस्सा है। आगामी उत्तर प्रदेश चुनावों को देखते हुए प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं।

पीएम मोदी के वीडियो पर बोले खड़गे- पहले धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर संसद आइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देर रात जारी किए गए वीडियो संदेश के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए, न कि संसद के बाहर वीडियो संदेश जारी करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि संसद में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है और छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अब तक कोई ठोस राजनीतिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांगों को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पहले छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। खड़गे ने कहा कि इन कदमों के बाद ही शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा संभव होगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा था, कि पेपर लीक रोकने के लिए सरकार सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन और दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा दिलाने संबंधी मसौदा तैयार कर उन्हें सौंप दिया है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी और मंत्रियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

राहुल ने पीएम मोदी पर कसा तंज बोले- पहले शिक्षा मंत्री को हटाइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आधी रात को वीडियो जारी कर प्रदर्शनकारी छात्रों की समझदारी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को सजा दी जाए और सरकार इस पूरे मामले पर देश के छात्रों से माफी मांगे।

राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक के खिलाफ और अधिक सख्त कदम उठाने पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े हुए हैं।

दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दिपके ने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा 26 दिनों से जारी अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने पर राहत जताई है। दिपके ने कहा कि वांगचुक के त्याग और साहस ने पूरे देश की अंतरात्मा को जगाने का काम किया है। उन्होंने साफ किया कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक जंतर-मंतर पर उनका शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक ने गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में केंद्रीय मंत्रियों जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह, लेह-लद्दाख की एपेक्स बॉडी के वरिष्ठ नेताओं तथा अपने परिवार की मौजूदगी में उपवास तोड़ा। संसद के 65 सदस्यों द्वारा की गई अपील और देश भर से समर्थन मिलने के बाद उन्होंने अपना 26 दिनों का अनशन समाप्त किया।

26 जुलाई को पूरे देश में सपा मनाएगी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस

-अखिलेश बोले- जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, संविधान ही है ढाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 26 जुलाई को पूरे यूपी और देशभर में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इसी दिन कोल्हापुर के तत्कालीन शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से प्रेरित होकर आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। उनके मुताबिक यह सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारने की एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसने आगे चलकर संविधान में समानता और सामाजिक न्याय के प्रावधानों की मजबूत नींव रखी।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि आरक्षण दिवस 26 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का फैसल लिया है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष 26 जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है, क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी 26 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे 'बंधु राष्ट्र' बनाने के महा-संकल्प को भी।

अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भारतीय लघु फिल्म 'अवेकन' को सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम बुद्धिमत्ता फिल्म का सम्मान

नई दिल्ली (शिखर समाचार) जर्मनी की राजधानी बर्लिन स्थित प्रतिष्ठित बैबिलोन सिनेमा में 4 से 13 जुलाई 2026 तक आयोजित 14वें इंडो-जर्मन फिल्म सप्ताह में भारतीय लघु फिल्म अवेकन ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया है। इस वर्ष पहली बार शामिल की गई कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लघु फिल्म श्रेणी में अवेकन को सर्वश्रेष्ठ कृत्रिम बुद्धिमत्ता लघु फिल्म के सम्मान से नवाजा गया। विशेष बात यह रही कि यह फिल्म पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित हुई और अपनी पहली ही प्रस्तुति में यह प्रतिष्ठित उपलब्धि हासिल करने में सफल रही। फिल्म का लेखन एवं निर्देशन मिलिंद दामले ने किया है, जबकि निर्माण प्राजक्ता दामले ने किया। मेधप्रणव पोवार ने सह-निर्देशक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रमुख के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूरी टीम के रचनात्मक दृष्टिकोण, तकनीकी दक्षता और नवीन प्रयोगों ने फिल्म को वैश्विक मंच पर विशिष्ट पहचान दिलाई। 'अवेकन' की कहानी एक दादी और एक कौवे के बीच प्रतिदिन होने वाले आत्मीय संवाद पर आधारित है। साधारण घटनाओं से शुरू होकर यह कथा मानवीय संवेदनाओं, स्मृतियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी समन्वय के माध्यम से दर्शकों को गहराई से प्रभावित करती है। भावनात्मक प्रस्तुति, सशक्त कथानक और आधुनिक तकनीक के संतुलित उपयोग के कारण इसे निर्णायकों और दर्शकों दोनों की सराहना मिली।

फिल्म की टीम ने इस सम्मान को भारतीय स्वतंत्र सिनेमा और रचनात्मक तकनीकी प्रयोगों की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक बताया। उनका कहना है कि यह उपलब्धि भविष्य में और अधिक प्रयोगधर्मी तथा प्रभावशाली फिल्मों के निर्माण के लिए प्रेरणा देगी। फिल्म सप्ताह में मिली यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि उत्कृष्ट कहानी, सशक्त निर्देशन और नवीन तकनीक के समन्वय से भारतीय सिनेमा विश्व मंच पर नई ऊँचाइयाँ प्राप्त कर सकता है।

भारत ने पीएम रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन का भेजा न्योता

-बांग्लादेश से संबंधों को पटरी पर लाने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत और पड़ोसी मुल्क के बीच उपजे कूटनीतिक तनाव के बीच भारत ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भारत ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण भेजा है। बांग्लादेश के ब्रिक्स का सदस्य देश न होने के बावजूद ढाका को आमंत्रित करना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को पुनः पटरी पर लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने पुष्टि की है कि भारतीय पक्ष से प्राप्त निमंत्रण विदेश मंत्रालय को मिल चुका है, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी तारिक रहमान को भारत यात्रा का न्योता दिया था। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने के कारण बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में किसी प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से रहमान अब तक भारत यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। पद संभालने के बाद वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर परंपरा से हटकर भारत के बजाय चीन गए थे। बांग्लादेश लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा रखता है और इस दिशा में उसे चीन व रूस का समर्थन भी प्राप्त है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाला यह शिखर सम्मेलन ढाका के लिए कूटनीतिक दृष्टिकोण से बेहद खास माना जा रहा है। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी शामिल होने की संभावना है। इससे पहले 2016 में भी जब भारत ने ब्रिक्स की मेजबानी की थी, तब बांग्लादेश को बिम्सटेक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। हाल ही में मनीला में आसियान फोरम के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के बीच भी संक्षिप्त मुलाकात हुई थी। भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर केंद्रित है। इस बड़े मंच पर बांग्लादेश की भागीदारी से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक संबंधों को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश के लिए 25 ब्लैक स्पॉट होंगे दुरुस्त, नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

हरिद्वार (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. ललित नारायण मिश्र की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक जिला कार्यालय सभागार में आयोजित हुई। बैठक में परिवहन, पुलिस, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने जनपद में चिन्हित 25 दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) पर तत्काल सुधारात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। जहां संकेतक पट्ट, प्रकाश व्यवस्था, सड़क चिह्नांकन, गति अवरोधक अथवा अन्य सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है, वहां प्राथमिकता के आधार पर कार्य पूरा करने को कहा गया। उन्होंने परिवहन और पुलिस विभाग को तेज रफ्तार, नशे की हालत में वाहन चलाने, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी निखिल शर्मा ने बताया कि जनवरी से जून 2026 तक मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत 19,523 चालान किए गए। इनमें बिना हेलमेट, तेज रफ्तार, ओवरलोडिंग, बिना सीट बेल्ट, गलत दिशा में वाहन चलाने, मोबाइल फोन का उपयोग, नो पार्किंग तथा नशे में वाहन चलाने जैसे मामलों में कार्रवाई की गई। मुख्य विकास अधिकारी ने शिक्षा विभाग को विद्यालयों में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने तथा चिकित्सा विभाग को दुर्घटना पीड़ितों के त्वरित उपचार के लिए सभी अस्पतालों का समन्वित पैनल तैयार करने के निर्देश दिए। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को राजमार्गों से अतिक्रमण हटाने के लिए संबंधित विभागों के साथ संयुक्त अभियान चलाने को कहा। बैठक में सड़क सुरक्षा ऑडिट, चेतावनी संकेतकों की स्थापना, परावर्तक चिह्नांकन तथा जनजागरूकता कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने पर भी सहमति बनी।

जनसुनवाई में नगर आयुक्त सख्त, नालों से स्थायी अतिक्रमण हटाते हुए सीवर सफाई के दिए निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जनसुनवाई के दौरान शहर की विभिन्न जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। जनप्रतिनिधियों, पार्षदों और आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों से प्राप्त शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए नगर आयुक्त ने नालों की सफाई, सीवर व्यवस्था सुधारने तथा जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में वार्ड संख्या 37 शालीमार गार्डन के पार्षद रवि भाटी, नंदग्राम वार्ड 32 के पार्षद सुभाष चौधरी सहित अन्य वार्डों के जनप्रतिनिधियों ने नगर आयुक्त से मुलाकात कर विकास कार्यों पर चर्चा की। वार्ड संख्या 6 और वार्ड संख्या 11 के प्रतिनिधियों ने नालों एवं सीवरों की नियमित सफाई की मांग उठाई, जिस पर नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

गोविंदपुरम और वसुंधरा क्षेत्र के आरडब्ल्यूए पदाधिकारियों ने नालों पर हुए स्थायी अतिक्रमण को हटाकर सफाई कराने की मांग रखी। इस पर नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त अवनींद्र, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश तथा निर्माण विभाग की टीम को संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण कर अभियान चलाने के निर्देश दिए। मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी को भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में सहयोग सुनिश्चित करने को कहा गया। नगर आयुक्त ने कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उनके निर्देशों के क्रम में स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग और जलकल विभाग संयुक्त रूप से नालों और सीवरों की सफाई का विशेष अभियान चलाएंगे, जिससे जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। नगर निगम की विभिन्न जोनल टीमों द्वारा वसुंधरा, मोहन नगर, सिटी जोन और कवि नगर जोन में सीवर सफाई कार्य भी शुरू कर दिया गया है। वहीं नालों पर किए गए स्थायी अतिक्रमण को हटाने के लिए निर्माण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। जनसुनवाई के दौरान संपत्ति विभाग से संबंधित कई मामले भी सामने आए, जिन पर नगर आयुक्त ने तत्काल नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। वरिष्ठ प्रभारी संपत्ति एवं अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव को संबंधित मामलों में योजना बनाकर स्थलीय कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। नगर आयुक्त ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता की समस्याओं के समाधान में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करते हुए शहरवासियों को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराएं।

ब्लूम हॉस्पिटल में महिला की मौत पर बवाल, परिजनों ने वार्ड बॉय से की मारपीट

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र स्थित ब्लूम हॉस्पिटल में इलाज के दौरान एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिजनों ने जमकर हंगामा किया और एक वार्ड बॉय के साथ मारपीट कर दी। पूरी घटना अस्पताल के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार हापुड़ निवासी शकुंतला हृदय रोग से पीड़ित थीं। तबीयत बिगड़ने पर उन्हें असौड़ा स्थित ब्लूम हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में आवश्यक अल्ट्रासाउंड की सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण महिला को एंबुलेंस से दूसरे अस्पताल भेजा गया। जांच के बाद वापस लौटने पर अस्पताल में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया। इसी दौरान गुस्साए लोगों ने वार्ड बॉय कासिम के साथ मारपीट कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक पारस मलिक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर महिला की मौत के कारणों की जांच की जा रही है। उधर स्थानीय लोगों और मरीजों के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल में लंबे समय से नियमित विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध नहीं रहते और अधिकांश उपचार नर्सिंग स्टाफ तथा वार्ड बॉय के भरोसे संचालित किया जाता है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की सख्त कार्रवाई: दुहाई क्षेत्र में 6000 वर्गमीटर में बसाई जा रही अवैध कॉलोनी ध्वस्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के कड़े निदेशों के अनुपालन में अवैध निमाणों और अनधिकृत कॉलोनियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रवर्तन जोन-3 ने बड़ी कार्रवाई की है। आज विशेष कार्याधिकारी और प्रभारी प्रवर्तन जोन-3 के नेतृत्व में दुहाई क्षेत्र में लगभग 6000 वर्गमीटर भूमि पर विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर बुलडोजर चलाया गया।

कार्रवाई का मुख्य विवरण

° **स्थान:** खसरा संख्या-471 व 475, दुहाई (निकट मधुबन बापूधाम बी-ब्लॉक, मिनी एम.आई.जी. के पास)।

° **जिम्मेदार व्यक्ति:** यह अनाधिकृत निर्माण/विकास कार्य संजीव चौधरी द्वारा कराया जा रहा था।

° **ध्वस्त की गई संरचनाएं:** कॉलोनी के भीतर कालोनाइजर द्वारा बनाई गई कच्ची-पक्की सड़कें, बाउंड्रीवॉल और साइट ऑफिस को पूरी तरह से नेस्तनाबूद कर दिया गया।

विरोध के बावजूद जारी रही कार्रवाई

ध्वस्तीकरण की इस कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और समर्थकों द्वारा भारी विरोध किया गया, लेकिन मौके पर मौजूद प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ते ने स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करते हुए तय योजना के अनुसार ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

इस पूरी कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-3 का समस्त स्टाफ तथा प्राधिकरण का प्रवर्तन दस्ता मौके पर मौजूद रहा।

आगे भी जारी रहेगा अभियान

प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ यह सख्ती आगामी महीनों में भी लगातार जारी रहेगी और जोन में किसी भी प्रकार के अवैध विकास को पनपने नहीं दिया जाएगा।

सिम्स में एआरटी और बांझपन प्रबंधन पर राष्ट्रीय सीएमई आयोजित, विशेषज्ञों ने साझा किया आधुनिक चिकित्सा का ज्ञान

हापुड़ (शिखर समाचार)। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड हॉस्पिटल (सिम्स) के प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा "जीनोवियाझआईएसएआर राष्ट्रीय पीजी शिक्षण पहल" के अंतर्गत सहायक प्रजनन तकनीक (एआरटी) एवं बांझपन प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के ज्ञान, नैदानिक कौशल तथा आधुनिक प्रजनन चिकित्सा की समझ को मजबूत बनाना था। इसमें प्रजनन शरीर क्रिया विज्ञान, ओवेरियन रिजर्व असेसमेंट, कंट्रोल्ड ओवेरियन स्टिम्युलेशन, आईवीएफ लैब वर्कफ़्लो, भ्रूण विकास, पुरुष बांझपन, इंफर्टिलिटी अल्ट्रासाउंड, एआरटी की जटिलताएं तथा नैतिक एवं कानूनी पहलुओं सहित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ व्याख्यान हुए। आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. ईशा ने आधुनिक आईवीएफ प्रक्रियाओं और क्लीनिकल अनुभवों पर विस्तृत

जानकारी दी, जबकि वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नीति विजय ने साक्ष्य-आधारित बांझपन प्रबंधन और नवीनतम आईवीएफ तकनीकों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में इंटरैक्टिव लेक्चर, क्लीनिकल केस डिस्कशन, शैक्षणिक वीडियो, केस-आधारित शिक्षण और प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किए गए। इसमें विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पारिधि गर्ग ने सभी विशेषज्ञों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम भावी चिकित्सकों को आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों, वैज्ञानिक सोच और गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थान की प्राचार्या डॉ. बरखा गुप्ता, मेडिकल सुपरिंटेंडेंट मेजर जनरल डॉ. चरनजीत सिंह आहलूवालिया, सीनियर एडवाइजर ब्रिगेडियर डॉ. आर. के. सहगल, निदेशक रघुवर दत्त तथा महाप्रबंधक एन. वर्धराजन ने कार्यक्रम की सफलता पर प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को बधाई देते हुए इसे चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक बताया।

साइबर टीम की बड़ी सफलता: ठगी के शिकार पीड़ित के ₹70 हजार 100% वापस कराए

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की साइबर क्राइम टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार एक पीड़ित को बड़ी राहत दिलाई है। पुलिस टीम के प्रयासों से पीड़ित के ₹70,000 की पूरी (100 प्रतिशत) धनराशि सफलतापूर्वक वापस कराई गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं पीड़ितों को शीघ्र राहत दिलाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत थाना गढ़मुक्तेश्वर की साइबर क्राइम टीम ने मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित बैंक एवं अन्य एजेंसियों से समन्वय स्थापित किया, जिसके परिणामस्वरूप ठगी गई पूरी राशि पीड़ित के खाते में वापस कराई गई। अपनी मेहनत की कमाई वापस मिलने पर पीड़ित ने गढ़मुक्तेश्वर पुलिस एवं साइबर क्राइम टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनके त्वरित एवं प्रभावी कार्य की सराहना की। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर घबराएं नहीं, बल्कि तत्काल 1930 साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई कर पीड़ित की धनराशि वापस कराई जा सके।

अवैध कॉलोनी की चारदीवारी से बंद हुआ रास्ता, मोहल्लेवासियों ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के रफीक नगर और रणजीतपुरा के निवासियों ने अवैध कॉलोनी विकसित कर मुख्य मार्ग बंद किए जाने का विरोध करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी से कार्रवाई की मांग की। मोहल्लेवासियों ने बताया कि रणजीतपुरा क्षेत्र में अवैध प्लाटिंग कर लोगों को प्लॉट बेचे गए थे। कॉलोनाइजर ने वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में मुख्य मार्ग पर चारदीवारी कर दी गई, जिससे रफीक नगर का प्रमुख रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब उन्हें संकरे रास्ते से आवागमन करना पड़ रहा है। इससे स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि कॉलोनाइजर करोड़ों रुपये की प्लाटिंग कर क्षेत्र छोड़ चुका है। पीड़ितों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपते हुए अवैध निर्माण हटवाने और मुख्य मार्ग को तत्काल खुलवाने की मांग की। जिलाधिकारी कविता मीना ने मामले की जांच कराने और शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

कांवड़ यात्रा : गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को लेकर एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में हुई समन्वय बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से गाजियाबाद पुलिस ने व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। शुक्रवार को यातायात व्यवस्था और रोड डायवर्जन के प्रभावी संचालन को लेकर समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में पुलिस, परिवहन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, रोडवेज, परिवहन यूनियनों, ऑटो यूनियन, पेट्रोल-डीजल एसोसिएशन तथा गैस प्लांट प्रबंधन से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक का आयोजन एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर की अध्यक्षता में किया गया। इसमें पुलिस उपायुक्त यातायात, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त यातायात, कांवड़ सेल के अधिकारी तथा यातायात निरीक्षकों सहित कई विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य कांवड़ यात्रा के दौरान संभावित यातायात दबाव को नियंत्रित करना, श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और आम नागरिकों को न्यूनतम असुविधा के साथ यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना था। बैठक के दौरान अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के लिए प्रस्तावित रोड डायवर्जन योजना की विस्तृत जानकारी साझा की। सभी विभागों और संगठनों को निर्देश दिए गए कि वे निर्धारित योजना का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कांवड़ मार्गों पर यातायात प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में आवश्यक सेवाओं की निर्बाध आपूर्ति पर विशेष जोर दिया गया। पेट्रोल, डीजल और गैस आपूर्ति से जुड़े प्रतिनिधियों को निर्देशित किया गया कि वह आपातकालीन सेवाओं और नियमित आपूर्ति को बनाए रखने के लिए केवल निर्धारित रूट मैप का ही उपयोग करें। कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच ईंधन और गैस जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लेते हुए भरोसा दिलाया कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू किए जाने वाले डायवर्जन प्लान का पूरी तरह पालन कराया जाएगा। कांवड़ यात्रा के दौरान राजमार्गों पर यातायात का दबाव बढ़ने की संभावना रहती है, इसलिए पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार ही वाहनों का संचालन कराया जाएगा। एनएचएआई अधिकारियों ने नागरिकों और वाहन चालकों को हेल्पलाइन नंबर 1033 के उपयोग की जानकारी भी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्घटना, वाहन खराब होने या किसी अन्य समस्या की स्थिति में टोल-फ्री हेल्पलाइन 1033 पर सूचना दी जा सकती है। सूचना मिलते ही एनएचएआई की क्रेन और गश्ती वाहन तत्काल सहायता के लिए मौके पर पहुंचेंगे। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भारी और व्यावसायिक वाहनों को निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से ही गुजरने की अनुमति दी जाएगी। इससे मुख्य कांवड़ मार्गों पर भीड़भाड़ कम होगी और श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम बनी रहेगी।

गैस सिलेंडर चोरी करने वाले 2 अभियुक्तों को टीला मोड़ पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना टीला मोड़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए चार खाली गैस सिलेंडर बरामद किए। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इसी कड़ी में थाना टीला मोड़ पुलिस क्षेत्र में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने रिस्तल रोड स्थित एक स्क्रैप गोदाम के पास से दो संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशु और रामूपाल के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से चोरी किए गए चार खाली गैस सिलेंडर बरामद किए गए। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने अपने एक अन्य साथी सुधीर के साथ मिलकर फरवरी माह की 27 और 28 तारीख की रात ग्राम रामपुर स्थित एचपी गैस गोदाम की दीवार तोड़कर छह गैस सिलेंडरों की चोरी की थी। चोरी के बाद सिलेंडरों को आपस में बांट लिया गया था। इनमें से चार सिलेंडर उनके पास थे, जबकि शेष सिलेंडर उनके तीसरे साथी सुधीर के पास रखे हुए थे। वह बरामद चार सिलेंडरों को बेचने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस चेकिंग के दौरान पकड़े गए। गिरफ्तार अभियुक्त आशु वर्तमान में करहैड़ा थाना साहिबाबाद क्षेत्र में रह रहा था, जबकि उसका मूल निवास शामली जनपद के कैराना थाना क्षेत्र के ग्राम भूरा कडेला में है। दूसरा अभियुक्त रामूपाल थाना लोनी क्षेत्र के रूप नगर का निवासी है। एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि मामले में शामिल तीसरा अभियुक्त सुधीर अभी फरार है और उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। फरार आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले में और महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है।

12 घंटे में इंदिरापुरम पुलिस ने किया हत्या का खुलासा, 1 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना इंदिरापुरम पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का महज 12 घंटे के भीतर सफल अनावरण करते हुए मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और तकनीकी जांच के चलते हत्या की गुत्थी सुलझ गई, जबकि दो अन्य अभियुक्त अभी फरार है, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। इसी कड़ी में नई दिल्ली निवासी राजेंद्र कुमार ने थाना इंदिरापुरम में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि विजय शर्मा, विपिन और सागर ने मिलकर उनके पुत्र अमित सैनी की गोली मारकर हत्या कर दी है। शिकायत के आधार पर थाना इंदिरापुरम में भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान पुलिस ने सर्विलांस और मैनुअल इनपुट की मदद लेते हुए हत्या की घटना का 12 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मुख्य साजिशकर्ता और घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त विजय शर्मा को सेक्टर-2 वसुंधरा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि मृतक अमित सैनी उसका करीबी दोस्त था। वर्ष 2020 में अमित सैनी और उनका साथी विपिन एक हत्या के मामले में जेल गए थे। वर्ष 2023 में जेल से छूटने के बाद अमित ने अपना अलग रेस्टोरेंट व्यवसाय शुरू कर लिया था, जबकि विजय और विपिन पिछले तीन वर्षों से साझेदारी में रेस्टोरेंट चला रहे थे। पिछले तीन-चार महीनों से अमित लगातार यह कह रहा था कि वह अगले वर्ष उनके रेस्टोरेंट का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेगा और दोनों को कारोबार से बाहर कर देगा। इसी बात को लेकर विजय और विपिन के मन में नाराजगी और असुरक्षा की भावना पैदा हो गई थी। उसने विपिन और सागर के साथ मिलकर अमित को रास्ते से हटाने की साजिश रची। सागर को भी रेस्टोरेंट में हिस्सेदारी देने का लालच दिया गया। योजना के तहत अमित को पैसों की जरूरत होने का फायदा उठाकर उसे मिलने के बहाने बुलाया गया। इसके बाद तीनों अमित को कार में बैठाकर गुरुग्राम से गाजियाबाद के इंदिरापुरम क्षेत्र में लाए और हिंडन नहर तथा वसुंधरा मार्ग के बीच रास्ते में कार के भीतर ही उसे गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। मामले में वांछित अभियुक्त विपिन और सागर की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। दोनों अभियुक्तों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गाजियाबाद: आवास एवं विकास परिषद की बड़ी कार्रवाई, सिद्धार्थ विहार योजना में 3 करोड़ रुपये की जमीन कब्जा-मुक्त

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद ने अवैध अतिक्रमण के खिलाफ एक बार फिर सख्त रुख अख्तियार किया है। परिषद की टीम ने सिद्धार्थ विहार योजना में सरकारी और बेशकीमती भूमि पर अवैध कब्जे के बड़े प्रयास को विफल करते हुए लगभग 3 करोड़ रुपये की जमीन को पूरी तरह कब्जा-मुक्त करा लिया है। यह कार्रवाई क्षेत्र में भू-माफियाओं और अवैध कब्जा करने वालों के बीच हड़कंप मचाने वाली है।

सेक्टर-7 में चल रहा था अवैध निर्माण

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आवास एवं विकास परिषद के निर्माण खंड-2 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सेक्टर-7 में 50 मीटर चौड़ी मुख्य सड़क के किनारे यह कार्रवाई की गई। इस मुख्य मार्ग के पास लगभग 200 वर्ग मीटर की बेशकीमती भूमि खाली पड़ी थी।

अज्ञात लोगों द्वारा सोची-समझी रणनीति के तहत इस खाली जमीन पर अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश की जा रही थी। कब्जा जमाने के लिए शातिर तरीके से वहां एक चबूतरे का निर्माण किया जा रहा था और उस पर मूर्ति स्थापित करने

का प्रयास किया जा रहा था, ताकि धार्मिक भावनाओं की आड़ में जमीन पर स्थाई कब्जा जमाया जा सके। बाजार दरों के हिसाब से इस जमीन की वर्तमान कीमत करीब 3 करोड़ रुपये आकलित की गई है।

परिषद की त्वरित कार्रवाई, बुलडोजर से ढहाया गया अवैध ढांचा

मामले की भनक जैसे ही आवास एवं विकास परिषद के अधिकारियों को लगी, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल प्रभाव से एक्शन प्लान तैयार किया गया। निर्माण खंड-2 की विशेष टीम ने बिना कोई देर किए मौके पर धावा बोल दिया। परिषद की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में त्वरित कार्रवाई करते हुए वहां बनाए जा रहे अवैध चबूतरे को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इस त्वरित और मुस्तैद कार्रवाई से न केवल अवैध निर्माण को धराशायी कर दिया गया, बल्कि सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण के प्रयास को भी विफल कर दिया गया।

अधिकारियों की दो टूक: "अतिक्रमण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं"

कार्रवाई के बाद आवास एवं विकास परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों ने कड़े शब्दों में चेतावनी दी है कि सिद्धार्थ विहार योजना या परिषद के किसी भी अन्य योजना क्षेत्र में अतिक्रमण या अवैध निर्माण को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक संपत्ति और परिषद की जमीनों की सुरक्षा के लिए इस तरह के नियमित अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेंगे। सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कठोर विधिक कार्रवाई भी की जाएगी। परिषद के इस सख्त कदम से क्षेत्र के अन्य भू-माफियाओं और अवैध कब्जाधारियों में भारी खौफ का माहौल है।

ग्राम समाज की खाली भूमि पर पार्क बनाने की मांग, ग्रामीणों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। क्षेत्र की ग्राम सभा शरीफपुर मलकपुर उर्फ काजीवाला के मोहल्ला हैबतपुर के ग्रामीणों ने ग्राम समाज की खाली पड़ी भूमि पर बच्चों के लिए पार्क विकसित किए जाने की मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बच्चों के खेलने, बुजुर्गों के टहलने और लोगों के बैठने के लिए कोई सार्वजनिक स्थान उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ग्राम समाज की खाली भूमि का जनहित में सदुपयोग करते हुए वहां पार्क का निर्माण कराया जाए। शुक्रवार को वरिष्ठ नागरिक चरण सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी प्रिंस कुमार को ज्ञाप I सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि गांव की सरकारी खलिहान की गाटा संख्या-39 की भूमि के एक हिस्से पर जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत पानी की टंकी और नलकूप का निर्माण कराया जा चुका है, जिससे ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा मिल रही है। इसके बावजूद उक्त गाटा की शेष भूमि लंबे समय से खाली पड़ी है और उसका कोई उपयोग नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इस भूमि पर पार्क का निर्माण कराया जाता है तो बच्चों को

सुरक्षित खेल का स्थान मिलेगा, वहीं बुजुर्गों और महिलाओं के लिए भी सुबह-शाम टहलने तथा बैठने की उचित व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। इसके अलावा भूमि सुरक्षित, स्वच्छ और अतिक्रमण से भी मुक्त रहेगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से जनहित को देखते हुए शीघ्र पार्क निर्माण की कार्यवाही कराने की मांग की है। ज्ञापन पर फेकू सिंह, निर्मल कुमार, संजीव कुमार, गोपी सिंह, किरण सिंह, जसराम, अमर सिंह, भजन सिंह, मेहर सिंह, रजनीश कुमार, जाकिर, उदय पाल, शेर सिंह, कमल सिंह, पंकज कुमार, महिपाल सिंह, विजयपाल सिंह, जयपाल सिंह, अतुल कुमार, राजपाल सिंह सहित अनेक ग्रामीणों के हस्ताक्षर मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

मानसिक तनाव में था अतुल, मां से कहा था दामिनी मुझे मरवा देगी

मेरठ, एजेंसी। चर्चित अतुल हत्याकांड की जांच में नए तथ्य सामने आ रहे हैं। संकेत मिल रहा है कि अतुल लंबे समय से मानसिक तनाव में था। उसने अपनी निजी परेशानियां परिवार या करीबी लोगों से साझा नहीं की थीं। अतुल ने परिवार की मर्जी के खिलाफ दामिनी से प्रेम विवाह किया था। इसी कारण वह वैवाहिक जीवन की दिक्कतें किसी को बता नहीं पा रहा था। अतुल को पत्नी दामिनी और उसके प्रेमी तुषार की नजदीकियों पर शक था। उसने दामिनी से इस बारे में सवाल भी किया था। दामिनी ने किसी भी संबंध से इन्कार कर दिया था। इसके बाद भी अतुल का संदेह दूर नहीं हुआ। वह भीतर–ही–भीतर घुटता रहा। अतुल ने कुछ समय पहले अपनी मां से जान को खतरा बताया था। उसने आशंका जताई थी कि दामिनी उसे मरवा सकती है। हालांकि, उस समय किसी ने इस बात को गंभीरता से नहीं लिया। दामिनी पहले भी अतुल को खाने में नशीली गोलियां देती थी। पुलिस अब इस पहलू की गहराई से पड़ताल कर रही है। वह यह जांच रही है कि क्या दामिनी को दवा की सही मात्रा का अभ्यास था। पुलिस सभी साक्ष्यों को जोड़कर इस सनसनीखेज हत्याकांड की गुत्थी सुलझाने में जुटी है

आरोपी पारस सोम की उम्र पर फैसला टला, पत्रावली आरक्षित

मेरठ, एजेंसी। कपसाड़ हत्याकांड के मुख्य आरोपी पारस सोम की उम्र को लेकर बुधवार को निर्णय पारित नहीं हो पाया। न्यायालय विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट की अदालत ने समय के अभाव के चलते पत्रावली को निर्णय हेतु आरक्षित कर लिया है। अब इस मामले में अगली सुनवाई पर फैसला आने की उम्मीद है। आरोपी पारस सोम को जुवेनाइल बोर्ड ने पहले बालिग घोषित किया था। इस फैसले के विरुद्ध न्यायालय विशेष न्यायाधीश पोक्सो एक्ट की अदालत में चुनौती दी गई थी। अदालत में यह याचिका दायर की गई थी कि आरोपी को नाबालिग माना जाए। बुधवार को इस महत्वपूर्ण प्रकरण में फैसला आने की उम्मीद थी। हालांकि, समय की कमी के कारण अदालत निर्णय नहीं सुना सकी। अब पत्रावली को निर्णय के लिए नियत किया गया है। अगली सुनवाई पर इस मामले में अंतिम फैसला आने की संभावना है। यह मामला सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव से जुड़ा है। आरोपी पारस सोम पर 08 जनवरी 2026 को अनुसूचित जाति की महिला सुनीता की हत्या करने उसकी बेटी रूबी का अपहरण करने का भी आरोप है। इस संबंध में थाना सरधना में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा पंजीकृत किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी की उम्र का निर्धारण महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शादी में आए युवक ने पेड़ पर फंदा लगाकर दी जान

आगरा, एजेंसी। थाना लोधा क्षेत्र में गांव बाढ़ौन में एक शादी समारोह में आए युवक ने पत्नी से विवाद के बाद पेड़ पर फंदा लगाकर जान दे दी। बुधवार सुबह उसका शव पेड़ से लटका मिला। गौतमबुद्ध नगर के थाना जेवर के गांव रायपुर गांव निवासी पवन कुमार (25) पुत्र गोपाल अपनी पत्नी नीरा के साथ मंगलवार को गांव बाढ़ौन में आया था। यहां उसकी पत्नी के मामा रामचरण के बेटे पुष्पेंद्र की बुधवार को बरात जानी थी। परिवार शादी की तैयारियों में जुटा था। मंगलवार रात किसी बात को लेकर पवन और उसकी पत्नी नीरा के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद पवन घर से निकल गया। बुधवार सुबह भरतपुर की मढ़ी के पास एक नीम के पेड़ पर उसका शव उसकी ही शर्ट के फंदे से लटका मिला। खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। सीओ गभाना महेश कुमार ने बताया मामले में परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है।

खैराती टोला छोड़कर बाकी जगह मिलेगा पानी, सीवर लाइन का काम जारी

आगरा, एजेंसी। आगरा में नमामि गंगे के तहत खैराती टोला पंपिंग स्टेशन पर सीवर की लाइन से क्रॉस कर रही पानी की लाइन हटाने के काम के कारण जलनिगम ने दो दिन का शटडाउन लिया था, लेकिन कैप का उपयोग करने के कारण बृहस्पतिवार को खैराती टोला छोड़कर अन्य जगहों पर जलापूर्ति सामान्य रहने का दावा किया गया है। बुधवार रात ही लाइन को चालू किया गया, लेकिन ताजगंज, खैराती टोला लाइन की जगह अन्य जगहों पर आपूर्ति की गई। जलकल महाप्रबंधक कुमार गौरव ने बताया कि दो दिन का शटडाउन जलनिगम ने लिया था लेकिन सीवर लाइन क्रॉस करने के काम में पानी की लाइन में कैप का उपयोग किया गया। अब जब वह लाइन जोड़ेंगे, तब पानी की आपूर्ति बंद की जाएगी। हालांकि पानी की लाइन को काटने पर गड्ढे में पानी भर गया। दरअसल, पाइपलाइन में इतना पानी रहता है कि गहरे गड्ढे को पूरा भर दे। डी–वाटरिंग के बाद दोपहर में काम शुरू किया गया। पानी भरने से कर्मचारी गहरे गड्ढे में काम नहीं कर पाए। जलकल महाप्रबंधक के मुताबिक बृहस्पतिवार को जलापूर्ति सामान्य रहेगी।

कांवड़ यात्रा में व्यापारियों और उद्योगों से सहयोग की अपील, उद्योग बंधु समिति की बैठक में डीएम ने दिए निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्ट्रेट सभागार में जिला उद्योग बंधु समिति एवं जिला श्रम बंधु समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में निवेश मित्र योजना की प्रगति की समीक्षा के साथ औद्योगिक इकाइयों और व्यापारिक संगठनों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए उद्योगपतियों एवं व्यापारिक संगठनों से प्रशासन का पूरा सहयोग करने की अपील भी की।

बैठक में मैसर्स कैरियर व्हील्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े अप्रेंटिसशिप योजना के लंबित प्रकरण पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के प्रधानाचार्य को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। शामली औद्योगिक आस्थान से पूर्वी यमुना नहर तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी नाले की पाइपलाइन के बार-बार जाम होने की समस्या के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया। इसके अलावा 220 केवी विद्युत उपकेंद्र से कैराना जाने वाली 33 केवी विद्युत लाइन को हटाने से संबंधित प्रकरण में भी आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन, उद्योग जगत और व्यापारिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। उन्होंने सभी उद्यमियों और व्यापारियों से यात्रा के दौरान आवश्यक सहयोग देने का आह्वान किया।

इसके बाद आयोजित जिला श्रम बंधु समिति की बैठक में श्रम विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई। सहायक श्रमायुक्त को निर्देश दिए गए कि पात्र श्रमिकों तक सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाया जाए। साथ ही जनपद में साप्ताहिक बंदी व्यवस्था का प्रभावी ढंग से पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में उद्योग बंधु के प्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा समाज कल्याण बोर्ड के चेयरमैन बनने पर कैप्टन योगेश बैरागी का सम्मान

शामली (शिखर समाचार)। हरियाणा सरकार द्वारा कैप्टन योगेश बैरागी को समाज कल्याण बोर्ड का चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर शामली में बैरागी समाज की ओर से भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शहर के कैराना रोड स्थित एक बारातघर में आयोजित कार्यक्रम में शहर एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लेकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। समारोह में समाज की एकजुटता, शिक्षा और सामाजिक विकास पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप, पूर्व विधायक तेजेंद्र निर्वाल, नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद संगल तथा समाजसेवी कुशांक चौहान ने संयुक्त रूप से किया। इसके बाद कैप्टन योगेश बैरागी का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। वक्ताओं ने इसे बैरागी समाज के लिए गौरव का विषय बताते हुए कहा कि सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए वे समाज के हितों को नई दिशा देंगे।

सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कैप्टन योगेश बैरागी ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए सभी लोगों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। उन्होंने शिक्षा को विकास का सबसे मजबूत आधार बताते हुए बेटियों को उच्च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षित बेटियां परिवार, समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, इसलिए उनकी शिक्षा और सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कार्यक्रम में अजय स्वामी, प्रमोद वैष्णव, सुभाषचंद स्वामी, ओमपाल स्वामी, किरणपाल, केपी स्वाती, राहुल स्वामी, महिपाल सिंह, रघुवीर सिंह, कृष्णपाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नोएडा में अवैध गोदाम पर छापा, करीब 80 लाख रुपये की मादक दवाएं जब्त, दो गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नोएडा में अवैध रूप से मादक दवाओं का भंडारण करने वाले एक गोदाम पर औषधि विभाग और एएनटीएफ दिल्ली की संयुक्त कार्रवाई में लगभग 79.94 लाख रुपये मूल्य की प्रतिबंधित औषधियां बरामद की गई हैं। छापेमारी के दौरान दो लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि जब्त दवाओं के नमूने परीक्षण और विश्लेषण के लिए प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं।

औषधि निरीक्षक जयसिंह ने बताया कि 23 और 24 जुलाई की रात एएनटीएफ दिल्ली के साथ संयुक्त अभियान चलाकर थाना सेक्टर-113 क्षेत्र की चौकी सेक्टर-122 के अंतर्गत अंबेडकर सिटी, सेक्टर-123 स्थित मकान संख्या ए-130ए में संचालित एक अवैध गोदाम पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान ट्रामाडोल एवं अल्प्राजोलम युक्त मादक औषधियों का भारी भंडार बरामद हुआ। जब्त दवाओं की अनुमानित कीमत 79 लाख 94 हजार 13 रुपये आंकी गई है।

कार्रवाई के दौरान शिव नारायण झा, निवासी निराला ग्रीनशायर, ग्रेटर नोएडा वेस्ट तथा अमन शर्मा, निवासी विहान विला फेज-1, ग्रेटर नोएडा वेस्ट को मौके से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बरामद सभी औषधियों के नमूने विधिक प्रक्रिया के तहत सुरक्षित कर परीक्षण एवं गुणवत्ता विश्लेषण के लिए संबंधित प्रयोगशाला भेज दिए गए हैं। जांच एजेंसियां यह भी पता लगाने में जुटी हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में मादक औषधियां कहां से लाई गई थीं और इनकी आपूर्ति किन क्षेत्रों में की जानी थी। अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है।

एडवोकेट के घर का ताला तोड़कर पांच लाख की चोरी, जेवरात और कीमती सामान ले उड़े चोर

बिजनौर (शिखर समाचार)। नगीना देहात थाना क्षेत्र के ग्राम टांडामाईदास में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने एक अधिवक्ता के घर का ताला तोड़कर करीब पांच लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना का पता शुक्रवार सुबह चलने पर क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है।

जानकारी के अनुसार ग्राम टांडामाईदास निवासी रोशिक लाल, जो पेशे से अधिवक्ता हैं, गुरुवार रात अपने घर में सो रहे थे। उन्होंने घर के अन्य कमरों में ताला लगा रखा था। शुक्रवार सुबह नींद खुलने पर उन्होंने एक कमरे का दरवाजा खुला देखा। अंदर जाकर देखा तो कमरे का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी तथा बक्सों के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर पता चला कि उनमें रखे सोने-चांदी के आभूषण और अन्य कीमती सामान गायब हैं। पीड़ित के अनुसार चोर करीब पांच लाख रुपये मूल्य का सामान अपने साथ ले गए। घटना की सूचना तत्काल नगीना देहात थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पीड़ित ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा चोरी गए सामान की शीघ्र बरामदगी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है और घटना के खुलासे के लिए आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

जंतर-मंतर जाने से पहले आप नेता को किया गया नजरबंद, शिक्षा व्यवस्था को लेकर जताया विरोध

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर को पुलिस ने शुक्रवार को उनके आवास पर ही नजरबंद कर दिया। पुलिस को जैसे ही उनके दिल्ली रवाना होने की सूचना मिली, वह शिवपुरी स्थित उनके आवास पर पहुंच गई और उन्हें बाहर जाने से रोक दिया। इस घटनाक्रम को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा बनी रही। जानकारी के अनुसार कुलदीप तोमर जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली जाने की तैयारी में थे। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस ने एहतियातन उनके आवास पर निगरानी बढ़ा दी और उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने दिया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद कुलदीप तोमर ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए सरकार पर निशाना साधा।

कुलदीप तोमर ने कहा कि आम आदमी पार्टी देश की शिक्षा व्यवस्था और विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े मुद्दों को लेकर लगातार आवाज उठाती रहेगी। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग दोहराते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है और सरकार इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी जनहित के मुद्दों पर लोकतांत्रिक तरीके से अपना संघर्ष जारी रखेगी। इस दौरान उन्होंने "इंकलाब जिंदाबाद" के नारे भी लगाए।

पुलिस की ओर से सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर की गई इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र में किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति नहीं बनी। पूरे घटनाक्रम पर स्थानीय लोगों और राजनीतिक कार्यकताओं की भी नजर बनी रही।

एम कॉम में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर विशेष सिंघल को मिला कुलपति स्वर्ण पदक

शामली (शिखर समाचार)। जनपद के होनहार छात्र विशेष सिंघल ने मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय, सहारनपुर की एम कॉम (सत्र 2024-26) परीक्षा में 78.85 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। उनकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में उन्हें कुलपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इस सफलता से न केवल उनके परिवार बल्कि महाविद्यालय और पूरे जनपद में हर्ष का माहौल है। विश्वविद्यालय के जनमंच सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल वर्चुअल माध्यम से शामिल हुईं। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा, अनुशासन, नैतिक मूल्यों और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश देते हुए अपने ज्ञान और प्रतिभा का उपयोग समाजहित में करने का आह्वान किया।

विशेष सिंघल ने सेंट आर.सी. कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, बनत से एम.कॉम. की शिक्षा प्राप्त की। उनके पिता विनोद कुमार व्यवसायी हैं। विशेष ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, महाविद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों के मार्गदर्शन तथा निरंतर परिश्रम को दिया। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और लगातार मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनका उद्देश्य उच्च शिक्षा प्राप्त कर सहायक प्राध्यापक बनना और शिक्षा के क्षेत्र में सार्थक योगदान देना है। विशेष सिंघल की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के अध्यक्ष अरविंद संगल, प्राचार्य डॉ. सतेन्द्र सिंह तथा समस्त शिक्षकों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जनपद के शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने भी उनकी सफलता को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताते हुए बधाई दी।

मुड़िया मेला पर आगरा और मथुरा के बीच चलेंगी तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेन

आगरा, एजेंसी। मुड़िया पूर्णिमा और गोवर्धन परिक्रमा मेले में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने आगरा मंडल से गुजरने वाली ट्रेनों के लिए विशेष व्यवस्था की है। 24 से 31 जुलाई तक आगरा कैंट-मथुरा के बीच तीन जोड़ी मेमू स्पेशल चलाई जाएंगी।

जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि झांसी-आगरा कैंट पैसेंजर का विस्तार डीग तक और नई दिल्ली-आगरा कैंट इंटरसिटी एक्सप्रेस का विस्तार ग्वालियर तक किया गया है। इसके अलावा दक्षिण भारत की चार एक्सप्रेस ट्रेनों को मथुरा और आगरा कैंट पर दो-दो मिनट का अस्थायी ठहराव दिया गया है।

ट्रेन संख्या 11901-11902 झांसी-आगरा कैंट अब 29-30 जुलाई को डीग तक जाएगी। वापसी में 30 व 31 जुलाई को डीग से झांसी चलेगी। ट्रेन 14212-14211 नई दिल्ली-आगरा कैंट इंटरसिटी 24 से 31 जुलाई तक ग्वालियर तक और वापसी में 25 जुलाई से 1 अगस्त तक ग्वालियर से संचालित होगी।

आगरा कैंट से मथुरा के बीच तीन जोड़ी मेमू स्पेशल सुबह 10:35, 11:15 और 11:30 बजे रवाना होकर 12:15, 12:45 और 1:10 बजे मथुरा पहुंचेंगी। वापसी में मथुरा से 12:45, 2:05 और 2:30 बजे चलकर आगरा कैंट 2:40, 4:10 और 4:15 बजे पहुंचेंगी। साथ ही 12652, 12708, 12642 और 12650 एक्सप्रेस को मथुरा और आगरा कैंट पर अस्थायी ठहराव दिया गया है।

कोलकाता इंटरसिटी दो दिन निरस्त अजमेर-सियालदह का बदला रूट : पूर्वी रेलवे के आसनसोल मंडल के मुगमा स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग कार्य के चलते सितंबर में आगरा होकर गुजरने वाली चार ट्रेनों का संचालन प्रभावित रहेगा। इसमें आगरा कैंट-कोलकाता इंटरसिटी एक्सप्रेस अप और डाउन में निरस्त रहेंगी, जबकि सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस और अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस चार दिनों तक बदले मार्ग से चलेंगी।

आगरा रेल मंडल के जनसंपर्क अधिकारी संजय कुमार गौतम ने बताया कि ट्रेन संख्या 13167 कोलकाता-आगरा कैंट एक्सप्रेस 24 सितंबर तथा 13168 आगरा कैंट-कोलकाता एक्सप्रेस 26 सितंबर को निरस्त रहेगी। वहीं 12987 सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस 23 से 26 सितंबर तक सीतारामपुर-धनबाद-गया-पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के बजाय सीतारामपुर-झाझा-पटना-पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन मार्ग से चलेगी। इसी प्रकार 12988 अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस भी 23 से 26 सितंबर तक पं. दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन-गया-धनबाद-सीतारामपुर के स्थान पर पटना-झाझा होकर संचालित होगी।

ग्राम संगिनी संवाद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर, पंचायत स्तर पर शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण की व्यवस्था

हापुड़ (शिखर समाचार)। विकास खंड सिम्भावली की ग्राम पंचायत मुबारिकपुर सलामपुर में शुक्रवार को महिला एवं बाल सभा ग्राम संगिनी संवाद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव, लेखपाल, आशा कार्यकर्ता, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएं, बीसी सखी तथा विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाओं की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सार्थक बनाया।

मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने बताया कि ग्राम संगिनी संवाद का उद्देश्य महिलाओं की आवाज को पंचायत स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना, स्थानीय नीति निर्धारण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना, महिला नेतृत्व को प्रोत्साहित करना तथा सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास तभी संभव है, जब महिलाओं की सक्रिय भागीदारी प्रत्येक निर्णय प्रक्रिया में सुनिश्चित हो। कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान ने बीते वर्ष में ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों तथा उन पर हुए व्यय का विवरण सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किया। वहीं महिला संगिनी संवाद के दौरान महिलाओं द्वारा उठाई गई

समस्याओं और शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की गई। महिला सभा की ओर से शिकायतों के निस्तारण के लिए समय-सीमा भी निर्धारित की गई, जिसकी समीक्षा प्रत्येक माह ग्राम स्तर पर आयोजित बैठकों में की जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि ग्राम संगिनी संवाद केवल शिकायत सुनने का मंच नहीं, बल्कि महिलाओं को पंचायत व्यवस्था से सीधे जोड़ने और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में सहभागी बनाने का प्रभावी माध्यम है। इसी मॉडल पर जनपद की सभी ग्राम पंचायतों में महिला एवं बाल सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिससे महिलाओं और बच्चों से जुड़ी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

प्रशासनिक न्यायाधीश अजय भनोट ने जनपद न्यायालय का निरीक्षण किया, न्यायिक व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश एवं गौतमबुद्धनगर के प्रशासनिक न्यायाधीश अजय भनोट ने अपने तीन दिवसीय जनपद भ्रमण के प्रथम दिन शुक्रवार को जनपद न्यायालय का निरीक्षण कर न्यायिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक कर न्यायालयों की कार्यप्रणाली, लंबित वादों के समयबद्ध निस्तारण, न्यायिक कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता तथा न्यायिक सेवाओं को अधिक प्रभावी और जनसुलभ बनाने पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने न्यायिक व्यवस्था

को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। जनपद न्यायालय पहुंचने पर जिला न्यायाधीश, पुलिस आयुक्त, जिलाधिकारी तथा न्यायिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। इसके उपरांत गौतमबुद्धनगर बार एसोसिएशन की ओर से उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर अजय भनोट ने अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए न्यायपालिका

और अधिवक्ताओं के बीच बेहतर समन्वय, न्यायिक मयार्दा तथा पेशेवर मूल्यों को बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों से संवाद कर न्यायिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने संबंधी सुझाव भी प्राप्त किए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने न्यायालय परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा परिसर का भ्रमण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके बाद जनपद न्यायाधीश के कक्ष में न्यायिक अधिकारियों के साथ पुनः विचार-विमर्श किया और बैठक कक्ष में जिला न्यायालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से संवाद कर उनकी कार्यप्रणाली, उपलब्ध संसाधनों तथा न्यायालय के सुचारु संचालन से जुड़े विषयों पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर की प्रशासनिक एवं आधारभूत व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी, बार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा जिला न्यायालय के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

सेक्टर-2 में बदलेंगे जर्जर बिजली के खंभे, पार्कों में होगी उच्च मस्तूल प्रकाश व्यवस्था

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने शहर के आवासीय सेक्टरों में नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के अभियान के तहत शुक्रवार को सेक्टर-2 के ए और बी खंड का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनका शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर गठित प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण कर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और हरित क्षेत्रों से जुड़ी समस्याओं का जायजा लिया। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस के निर्देशन में गठित दल के साथ प्रधान महाप्रबंधक संदीप चंद्रा, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश गौतम, प्रभात शंकर, विनोद शर्मा तथा प्रबंधक स्वतंत्र गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सेक्टरवासियों ने अधिकारियों को बताया कि मुख्य द्वार और प्रमुख मार्गों पर ठेला संचालकों के कारण

अतिक्रमण की स्थिति बनी रहती है, जिसे हटाया जाना चाहिए। इसके अलावा पार्कों और हरित पट्टियों के समुचित रखरखाव, नालियों की नियमित सफाई, घर-घर कचरा संग्रहण व्यवस्था को सुचारु बनाने तथा प्रतिदिन सफाई सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई। निवासियों ने वर्षा के दौरान होने वाले जलभराव, जर्जर हो चुके बिजली के खंभों तथा बंद पड़ी सड़क प्रकाश व्यवस्था की ओर भी अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। इस पर प्रधान महाप्रबंधक ने संबंधित विभागों को जर्जर बिजली के खंभे बदलने, पार्कों में उच्च मस्तूल प्रकाश व्यवस्था स्थापित करने, खराब सड़क प्रकाश व्यवस्था की मरम्मत कराने तथा सभी नागरिक समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक आवासीय सेक्टर का नियमित निरीक्षण जारी रहेगा ताकि नागरिकों को बेहतर और सुरक्षित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

ग्रेटर नोएडा की 40 आवासीय सोसाइटियों में लगेंगी विशेष प्लास्टिक बिन, पॉलीथीन मुक्त शहर बनाने की पहल तेज

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ और पॉलीथीन मुक्त बनाने की दिशा में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने किया इंडिया और आईपीसीए के सहयोग से एक नई पहल शुरू की है। डेवलप रिस्पॉन्सिबल आउटलुक फॉर प्लास्टिक (डीआरओपी) योजना के तहत पहले चरण में शहर की 40 आवासीय सोसाइटियों में विशेष प्लास्टिक बिन स्थापित किए जाएंगे। इन सोसाइटियों को बड़े कचरा उत्पादक की श्रेणी में रखा गया है। इन विशेष बिनों में एकत्र होने वाले प्लास्टिक कचरे को प्रतिदिन विशेष वाहन के माध्यम से प्रसंस्करण संयंत्र तक पहुंचाकर पुनर्चक्रण किया जाएगा। शुक्रवार को इस योजना का शुभारंभ करते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक चेतराम सिंह और सहायक प्रबंधक गौरव बघेल ने वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद प्राधिकरण के सभागार में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से प्लास्टिक और पॉलीथीन के दुष्प्रभावों तथा पर्यावरण संरक्षण

का संदेश दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर पुनर्चक्रित प्लास्टिक से निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी आकर्षण का केंद्र रही। महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि विशेष प्लास्टिक बिन उन्हीं सोसाइटियों में लगाए जाएंगे, जहां सूखे और गीले कचरे का पृथक्करण पहले से किया जा रहा है। सहायक प्रबंधक गौरव बघेल ने कहा कि शहर को स्वच्छ रखने के लिए बड़े कचरा उत्पादकों को कचरे का पृथक्करण और उसका वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना होगा। आईपीसीए के सचिव अजय गर्ग और उपनिदेशक डॉ. राधा गोयल ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक कचरे का पुनर्चक्रण बढ़ाना और लोगों को प्लास्टिक के कम उपयोग के प्रति जागरूक करना है। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने नागरिकों से घरों में सूखे और गीले कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन रखने तथा कचरा हमेशा डस्टबिन में ही डालने की अपील की। कार्यक्रम में आईबीए के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, विभिन्न आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे।

प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में भाकियू महात्मा टिकैत ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) के पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने गुरुवार को प्रस्तावित ट्रेड डील के विरोध में जेवर तहसील पहुंचकर तहसीलदार प्रतीत सिंह को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि यदि किसानों के हितों की अनदेखी कर इस प्रकार के व्यापारिक समझौते किए गए तो इसका सीधा और व्यापक प्रभाव देश के कृषि क्षेत्र तथा किसानों की आजीविका पर पड़ेगा। साथ ही चेतावनी दी गई कि मांगों की अनदेखी होने पर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिलाध्यक्ष रविंद्र नागर और संजय शर्मा ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि और किसान हैं। ऐसे में किसी भी अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक समझौते या ट्रेड डील को अंतिम रूप देने से पहले किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उनका कहना था कि यदि प्रस्तावित समझौते से कृषि उत्पादों, न्यूनतम समर्थन मूल्य, घरेलू बाजार या किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है तो सरकार को उस पर पुनर्विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। किसान नेताओं ने कहा कि सरकार को किसान संगठनों से संवाद स्थापित कर उनकी राय लेने के बाद ही कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों की मांगों और चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया गया तो भारतीय किसान यूनियन (महात्मा टिकैत) चरणबद्ध और लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगी। इस दौरान बलराज प्रधान, भोले, रूपन खारी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कारखाना अधिनियम 1948 की धारा 111-ए के अनुपालन में रोलेक्स लाइटिंग में हेल्थ एंड सेफ्टी प्रशिक्षण संपन्न

नोएडा (शिखर समाचार)। औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नोएडा स्थित रोलेक्स लाइटिंग कंपनी में कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 111-ए के अनुपालन में हेल्थ एंड सेफ्टी तथा फर्स्ट एड प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षित वातावरण बनाए रखने, संभावित दुर्घटनाओं से बचाव करने तथा आपातकालीन परिस्थितियों में उचित प्रतिक्रिया देने के लिए जागरूक और प्रशिक्षित करना था। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की ओर से हेल्थ एंड सेफ्टी विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक कंचन ने कंपनी के कर्मचारियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर अपनाई जाने वाली सुरक्षा सावधानियों, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों (पीपीई) के उपयोग, मशीनों के सुरक्षित संचालन, विद्युत

सुरक्षा, अग्नि सुरक्षा तथा प्राथमिक उपचार के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को यह भी बताया गया कि किसी दुर्घटना की स्थिति में घबराने के बजाय किस प्रकार तुरंत और सही कदम उठाकर नुकसान को कम किया जा सकता है। डॉ. अभिषेक कंचन ने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा संस्कृति का विकास केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि कर्मचारियों की जागरूकता और सक्रिय भागीदारी से संभव है। उन्होंने बताया कि छोटी-छोटी सावधानियां बड़ी दुर्घटनाओं को रोक सकती हैं। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को विभिन्न व्यावहारिक उदाहरणों और डेमो के माध्यम से फर्स्ट एड की प्रक्रियाओं की भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कंपनी प्रबंधन ने भी कर्मचारियों को सुरक्षा मानकों का पालन करने और प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारी को अपने दैनिक कार्य व्यवहार में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कंपनी के अधिकारियों ने कहा कि कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य उनके लिए सर्वोपरि है तथा भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे। कारखाना अधिनियम, 1948 की धारा 111-ए के अंतर्गत प्रत्येक कर्मचारी को कार्यस्थल पर सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है। वहीं नियोक्ता की यह जिम्मेदारी है कि वह कर्मचारियों को मुख्य निरीक्षक कारखाना द्वारा अनुमोदित संस्थानों के माध्यम से आवश्यक हेल्थ एंड सेफ्टी प्रशिक्षण उपलब्ध कराए। इस प्रावधान का उद्देश्य कार्यस्थलों पर दुर्घटनाओं को रोकना तथा सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित करना है। नियमों के अनुसार कंपनियों को ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का वार्षिक विवरण संबंधित फैक्ट्री विभाग कार्यालय में जमा करना भी अनिवार्य होता है। यदि कोई इकाई इन प्रावधानों का पालन नहीं करती है तो उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान भी है। रोलेक्स लाइटिंग द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भाकियू लोकशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष व महासचिव हाउस अरेस्ट, संगठन ने जताया विरोध

जेवर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह और महासचिव प्रमोद शर्मा को हाउस अरेस्ट किए जाने के विरोध में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकताओं में आक्रोश व्याप्त है। संगठन का आरोप है कि केवल शीर्ष पदाधिकारियों ही नहीं, बल्कि विभिन्न जिलों में कार्यरत कई अन्य पदाधिकारियों और कमांडरों को भी 20 जुलाई से लगातार हाउस अरेस्ट किया जा रहा है। इसे किसान नेताओं की लोकतांत्रिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने का प्रयास बताते हुए संगठन ने प्रशासन की कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति की पूरी टीम को नजरबंद करने जैसी कार्रवाई की जा रही है। उनके अनुसार 20 जुलाई से लगातार उन्हें और संगठन के पदाधिकारियों को विभिन्न जिलों में घरों से बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके आवास पर चौबीसों घंटे एक उपनिरीक्षक और एक कांस्टेबल की ड्यूटी लगाई गई है। उनका आरोप है कि यह प्रशासनिक शक्ति का दुरुपयोग है और इससे किसानों के संवैधानिक अधिकारों का हनन हो रहा है। महासचिव प्रमोद शर्मा ने कहा कि पुलिस और प्रशासन का दायित्व प्रदेश में कानून-व्यवस्था बनाए रखना तथा असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करना है, लेकिन किसान नेताओं की गतिविधियों पर रोक लगाकर उनकी अभिव्यक्ति और स्वतंत्र रूप से आने-जाने के अधिकार को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस प्रकार की कार्रवाई उचित नहीं है। संगठन ने मांग की कि किसान नेताओं पर लगाए गए सभी प्रतिबंध तत्काल हटाए जाएं और उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए।

नवजात कन्याओं के जन्मोत्सव से दिया बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का संदेश

बिजनौर (शिखर समाचार)। महिला कल्याण विभाग की ओर से जिला महिला अस्पताल में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के अंतर्गत नवजात कन्या जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से अस्पताल में जन्मी 16 नवजात कन्याओं का स्वागत उत्साहपूर्वक किया गया तथा उनकी माताओं को बेबी किट और उपहार भेंट कर बेटियों के जन्म का सम्मान किया गया। आयोजन का उद्देश्य समाज में बालिकाओं के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना, लिंग समानता को बढ़ावा देना तथा कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के प्रति जनजागरूकता पैदा करना रहा।
कार्यक्रम में जिलाधिकारी जसजीत कौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ जिला प्रोबेशन अधिकारी तथा जिला महिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. प्रभा रानी भी मौजूद रहीं। जिलाधिकारी ने नवजात कन्याओं की माताओं को बेबी किट वितरित करते हुए कहा कि बेटियां परिवार और समाज की मजबूत आधारशिला हैं। आज वे शिक्षा, विज्ञान, खेल, प्रशासन, रक्षा और अन्य सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा से देश का नाम रोशन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को समान अवसर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना समाज की साझा जिम्मेदारी है। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं इसी उद्देश्य को लेकर संचालित

की जा रही हैं ताकि प्रत्येक बेटी आत्मनिर्भर और सशक्त बन सके। मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका डॉ. प्रभा रानी ने नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल, समय पर टीकाकरण, जन्म के तुरंत बाद मातृ दुग्धपान तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं और सुविधाओं के बारे में भी माताओं को अवगत कराया। कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों, चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने केक काटकर नवजात कन्याओं का जन्मोत्सव मनाया। पूरे अस्पताल परिसर में उत्सव जैसा माहौल रहा और उपस्थित सभी लोगों ने बेटियों के सम्मान, सुरक्षा और उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प लिया।

बहादुरगढ़ पुलिस का ऑपरेशन तलाश सफल, चार वारंटी गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना बहादुरगढ़ पुलिस द्वारा चलाए जा रहे 'ऑपरेशन तलाश' अभियान के तहत चार वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों को उनके घरों से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में पप्पू पुत्र भूप सिंह निवासी रहरवा, राहुल पुत्र जबर सिंह निवासी आलमनगर, कृष्ण पुत्र ऋषिपाल निवासी शेरपुर तथा अमन पुत्र ऋषिपाल निवासी शेरपुर शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय से वारंट जारी थे। अभियान के तहत उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करते हुए उनके खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अपराधियों और वारंटियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

6 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, सिम्भावली पुलिस की बड़ी कार्रवाई

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना सिम्भावली पुलिस ने छह वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के विरुद्ध थाना सिम्भावली में मु.अ.सं. 192/2026 के तहत धारा 65(2) बीएनएस एवं 5ट/6 पॉक्सो एक्ट में मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने आरोपी नईम पुत्र वकील को सिखेड़ा फ्लाईओवर, नए हाईवे के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी मूल रूप से ग्राम नंगलामल, थाना मुंडाली, जनपद

मेरठ का निवासी है तथा वर्तमान में मौलवी जन्नत मस्जिद, गांव औरंगाबाद, थाना सिम्भावली, जनपद हापुड़ में रह रहा था। पुलिस द्वारा आरोपी के विरुद्ध अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजय कुमार शर्मा, हेड कांस्टेबल फरमान तथा कांस्टेबल उदय सिंह शामिल रहे।

दिल्ली प्रदर्शन के मद्देनजर सपा नेता के प्रतिनिधि कदीर साबरी हाउस अरेस्ट, कार्यकताओं में नाराजगी

जेवर (शिखर समाचार)। दिल्ली में चल रहे प्रदर्शन के मद्देनजर शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के पूर्व राज्यमंत्री मुहम्मद अब्बास के प्रतिनिधि कदीर साबरी को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर दिया। इस कार्रवाई के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं में नाराजगी देखने को मिली। समर्थकों ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर अंकुश बताते हुए प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। कदीर साबरी ने बताया कि उनके आवास के बाहर पुलिस बल तैनात किया गया है और उन्हें घर से बाहर जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बिना किसी स्पष्ट कारण के इस प्रकार की कार्रवाई उचित नहीं है। उनका कहना है कि वह संविधान और

लोकतांत्रिक मूल्यों में पूर्ण विश्वास रखते हैं तथा हमेशा शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जनता की समस्याओं और जनहित के मुद्दों को उठाते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इससे वे जनहित के मुद्दों को उठाने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और जनप्रतिनिधि को अपनी बात रखने का अधिकार है तथा इस प्रकार की पाबंदियां लोकतांत्रिक व्यवस्था की भावना के अनुरूप नहीं हैं। हाउस अरेस्ट की सूचना मिलने के बाद समाजवादी पार्टी के स्थानीय कार्यकताओं में भी नाराजगी देखी गई। कार्यकताओं ने प्रशासन से इस कार्रवाई पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण राजनीतिक गतिविधियों पर अनावश्यक प्रतिबंध नहीं लगाया जाना चाहिए।

कार निकालने को लेकर दो पक्षों में पथराव और मारपीट, तीन घायल, चार आरोपियों पर मुकदमा दर्ज

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कस्बे के आजाद नगर मोहल्ले में गली से कार निकालने को लेकर हुए पुराने विवाद ने गुरुवार देर रात हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद दो पक्ष आमने-सामने आ गए और दोनों ओर से लाठी-डंडे चलने के साथ जमकर पथराव हुआ। घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने एक पक्ष की तहरीर पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।
पुलिस के अनुसार आजाद नगर निवासी मुरसलीन गुरुवार रात करीब 11 बजे अपनी कार से घर लौट रहे थे। आरोप है कि गली में दूसरे पक्ष के कुछ लोग चारपाई डालकर बैठे और सो रहे थे, जिससे रास्ता अवरुद्ध हो गया। मुरसलीन ने कार निकालने के लिए चारपाई हटाने का अनुरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी और गाली-गलौज हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर पथराव भी किया, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आरोप है कि इस दौरान लाला ने अमन, सफीक और एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर मुरसलीन पर हमला कर दिया। मारपीट और पथराव में अदनान, मुरसलीन और रियास घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को तत्काल जिम्स अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत के आधार पर अमन, सफीक, लाला सहित चार आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

दोपहिया वाहन चोरी करने वाले एक अभियुक्त को मसूरी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना मसूरी पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी का खुलासा करते हुए 1 अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। थाना मसूरी पुलिस टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान अभियुक्त को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तारकिया। इसी कड़ी में थाना मसूरी पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं में संलिप्त एक युवक को पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान ईशान शर्मा उर्फ ईशांत पुत्र राजेश शर्मा निवासी स्वरूप नगर, लाजपत नगर थाना साहिबाबाद, जनपद गाजियाबाद के रूप में हुई ।पुलिस ने इसके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की ।

पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि उसने बरामद मोटरसाइकिल जनपद गौतमबुद्ध नगर क्षेत्र से चोरी की थी। वह चोरी की गई बाइक को बेचने की फिराक में था, लेकिन पुलिस की सक्रिय चेकिंग के दौरान वह पकड़ा गया। थानाध्यक्ष मसूरी हरेंद्र मलिक ने बताया कि वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए क्षेत्र के अंदर लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, जिससे स्नेचिंग की घटनाओं पर भी अंकुश लगाया जा सके। चेकिंग के दौरान इसे गिरफ्तार किया गया है। इसका आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य साथियों के इंवॉल्वमेंट की जांच की जा रही है।

संपादकीय

परीक्षा की विश्वसनीयता बचाने का निर्णायक समय

देश में प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को लेकर पैदा हुआ संकट अब केवल छात्रों की चिंता का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह शासन व्यवस्था, शिक्षा प्रणाली और युवाओं के भविष्य से जुड़ा राष्ट्रीय प्रश्न बन चुका है। पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं में पेपर लीक की लगातार सामने आती घटनाओं ने करोड़ों युवाओं का विश्वास कमजोर किया है। लाखों अभ्यर्थी वर्षों तक कठिन परिश्रम करते हैं, परिवार अपनी आर्थिक क्षमता से अधिक खर्च करता है, लेकिन परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र लीक होने या परीक्षा रद्द होने की खबर पूरे परिश्रम पर पानी फेर देती है। ऐसे समय में केंद्र सरकार द्वारा संशोधित पेपर लीक विधेयक के मसौदे पर कैबिनेट स्तर पर विचार और उसे मंजूरी दिए जाने के साथ-साथ छात्र संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद की पहल यह संकेत देती है कि सरकार अब इस चुनौती का समाधान केवल कानून के सहारे नहीं, बल्कि संवाद और संस्थागत सुधारों के माध्यम से भी तलाशना चाहती है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में परीक्षा केवल नौकरी या प्रवेश का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह समान अवसर के सिद्धांत का सबसे मजबूत आधार होती है। जब कोई परीक्षा निष्पक्ष होती है तो समाज के प्रत्येक वर्ग का युवा यह विश्वास रखता है कि उसकी मेहनत का उचित मूल्य मिलेगा। लेकिन यदि प्रश्नपत्र पहले ही बिक जाएं, संगठित गिरोह परीक्षा प्रणाली को नियंत्रित करने लगें या तकनीकी खामियों का दुरुपयोग करके परिणाम प्रभावित किए जाएं, तो सबसे बड़ा नुकसान प्रतिभा का होता है। धीरे-धीरे योग्य युवाओं के मन में यह भावना घर करने लगती है कि सफलता का रास्ता परिश्रम नहीं, बल्कि भ्रष्ट नेटवर्क और अवैध साधनों से होकर गुजरता है। यह स्थिति किसी भी राष्ट्र के लिए अत्यंत घातक है। सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधित कानून में प्रश्नपत्र लीक कराने वाले गिरोहों, तकनीकी सहयोग देने वालों, आर्थिक लाभ कमाने वाले नेटवर्क और परीक्षा प्रक्रिया में शामिल दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर दंड का प्रावधान किए जाने की चर्चा है। यदि इन प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है तो निश्चित रूप से इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ेगा। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि केवल कठोर सजा से समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। भारत में अनेक क्षेत्रों में सख्त कानून पहले से मौजूद हैं, फिर भी अपराध इसलिए होते हैं क्योंकि जांच, निगरानी और न्यायिक प्रक्रिया समयबद्ध नहीं होती। इसलिए पेपर लीक के विरुद्ध कानून को प्रभावी बनाने के लिए जांच एजेंसियों को तकनीकी संसाधन, विशेष जांच तंत्र और त्वरित न्याय की व्यवस्था भी साथ साथ विकसित करनी होगी। इसी के समानांतर सरकार और छात्र संगठनों के बीच संवाद की शुरूआत भी महत्वपूर्ण है। लंबे समय से आंदोलन कर रहे छात्रों की सबसे बड़ी मांग केवल दोषियों को सजा देना नहीं है, बल्कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की ठोस व्यवस्था करना है। यदि सरकार उनकी आशंकाओं को गंभीरता से सुनती है, पारदर्शी प्रक्रिया अपनाती है और सुधारों की समयबद्ध रूपरेखा सार्वजनिक करती है, तो इससे अविश्वास की खाई कम हो सकती है। लोकतंत्र में संवाद हमेशा टकराव से अधिक प्रभावी रास्ता साबित होता है। आज आवश्यकता इस बात की भी है कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह आधुनिक बनाया जाए। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर उनके सुरक्षित भंडारण, डिजिटल एन्क्रिप्शन, सुरक्षित परिवहन, परीक्षा केंद्रों की निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली को व्यापक स्तर पर लागू किया जाए। कई विकसित देशों में परीक्षा सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय तकनीकी प्रणाली अपनाई जाती है, जहां प्रश्नपत्र अंतिम समय तक सुरक्षित डिजिटल वातावरण में रहते हैं। भारत जैसे विशाल देश में यह चुनौती कठिन अवश्य है, लेकिन असंभव नहीं।

~ मौलिक चिंतन ~

झूठ कभी किसी का मित्र नहीं हो सकता।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

©

विनय संकोची

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड, एक नई बहस का जन्म

निखिल भट्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दर्शाता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है। जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए।

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है। अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है। हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है।

न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है।...

आतंकवाद का बदलता चेहरा और भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया से ब्रेनवॉश और क्रिप्टो फंडिंग तक आतंक का नया जाल, लेकिन सतर्क सुरक्षा एजेंसियां हर साजिश को कर रही हैं नाकाम...

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ लगातार बदलता रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण इसके प्रमुख साधन हुआ करते थे, लेकिन तकनीक के विस्तार ने आतंकवादी संगठनों को नए रास्ते उपलब्ध करा दिए हैं। अब आतंक का नेटवर्क बंदूक और बारूद से कहीं अधिक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टोकरेंसी के सहारे संचालित हो रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया कार्रवाई और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर सामने रखी है। जांच से यह संकेत मिला है कि आतंकवादी संगठन अब एक सुनियोजित थ्री-एप मॉडल के माध्यम से युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले सोशल मीडिया के जरिए संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

यह नया मॉडल केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि आतंकवाद की रणनीति में आया बड़ा परिवर्तन भी है। पहले आतंकवादी संगठनों को भर्ती और संपर्क के लिए भौतिक नेटवर्क की आवश्यकता होती थी, जबकि अब इंटरनेट ने दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति तक उनकी पहुंच आसान बना दी है। सोशल मीडिया पर सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री के माध्यम से युवाओं का विश्वास जीतने का प्रयास किया जाता है। धीरे-धीरे उन्हें बंद समूहों में जोड़ा जाता है जहां उग्र और हिंसक विचारधारा से परिचित कराया जाता है। इसके बाद हथियारों, विस्फोटकों और आतंकी गतिविधियों से संबंधित सामग्री साझा कर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेलने की कोशिश की जाती है।

एनआईए की जांच में सामने आए विभिन्न मॉड्यूल इस नए खतरे की गंभीरता को दशार्ते हैं। तमिलनाडु में ऐसे समूहों का पता चला जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। विजयवाड़ा से जुड़े मामले में विदेशी हैंडलरों के संपर्क, भारत में कट्टरपंथ फैलाने और प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने जैसी योजनाओं का खुलासा हुआ। मंगलुरु मॉड्यूल में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्फोटक बनाने की जानकारी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आई। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक नेटवर्क से अधिक डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं।

इन मॉड्यूल का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इनके निशाने पर 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के पढ़े-लिखे युवा हैं। यह वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करता है। आतंकवादी संगठन इसी मनोविज्ञान का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। वे पहले धार्मिक, सामाजिक या भावनात्मक विषयों पर चर्चा के बहाने संपर्क स्थापित करते हैं और धीरे-धीरे युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ते हैं। कई बार यह पूरी प्रक्रिया इतनी सुनियोजित होती है कि व्यक्ति को स्वयं यह एहसास भी नहीं होता कि वह किस प्रकार एक खतरनाक नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है।

तकनीक के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी आतंकवाद के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और स्वचालित संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जाती है। एन्क्रिप्टेड संचार के कारण जांच एजेंसियों के लिए इन नेटवर्क तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाला लेन-देन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग होने के कारण इसकी निगरानी भी चुनौतीपूर्ण रहती है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी विषय बन चुका है।

हालांकि इन चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की सतर्कता लगातार मजबूत हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, विभिन्न राज्यों की आतंकवाद निरोधी इकाइयां, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। देशभर में लगातार छापेमारी, संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान और समय रहते कार्रवाई के कारण अनेक साजिशों को विफल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी संगठन चाहे जितनी नई तकनीक अपनाएं, भारतीय सुरक्षा तंत्र भी उसी गति से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य यह है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। यही कारण है कि अनेक आतंकी संगठन आज पहले की तुलना में काफी कमजोर पड़े हैं। उनके पारंपरिक नेटवर्क लगातार ध्वस्त हुए हैं और उन्हें नए-नए तरीके अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

यह भी सच है कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए लगातार नए रास्ते खोज रहे हैं। कभी सोशल मीडिया, कभी एन्क्रिप्टेड एप, कभी क्रिप्टोकरेंसी और कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेकर वे अपनी मौजूदगी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन दूसरी ओर भारत की खुफिया और जांच एजेंसियां भी समान रूप से सजग हैं। वर्षों के अनुभव, आधुनिक तकनीक और मजबूत समन्वय के कारण वे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हुई हैं। अनुभवी अधिकारी व्यवहार, डिजिटल गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों का विश्लेषण कर समय रहते खतरे का आकलन कर लेते हैं। यही सतर्कता अनेक संभावित घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोक देती है।

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल सुरक्षा एजेंसियों का दायित्व नहीं है बल्कि समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार, शिक्षण संस्थान, धार्मिक संगठन और सामाजिक संस्थाएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। डिजिटल साक्षरता, तथ्य आधारित सोच और अफवाहों से बचने की आदत विकसित करना आज की आवश्यकता है। यदि समाज जागरूक रहेगा तो आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भ्रमित करना कठिन हो जाएगा। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह आतंकवाद के किसी भी रूप को स्वीकार नहीं करेगा। सीमा पर कठोर सुरक्षा व्यवस्था, देश के भीतर मजबूत जांच तंत्र, आधुनिक तकनीक का उपयोग और जीरो टॉलरेंस की नीति ने आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को लगातार सीमित किया है। यदि कोई आतंकी नेटवर्क भूमिगत होकर छिपने का प्रयास भी करता है तो सुरक्षा एजेंसियां उसे खोज निकालने और कानून के दायरे में लाने के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। यही दृढ़ इच्छाशक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

आतंकवाद का स्वरूप चाहे कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसका उद्देश्य समाज में भय, अस्थिरता और विभाजन पैदा करना ही होता है। इसके मुकाबले के लिए केवल हथियार नहीं बल्कि तकनीकी दक्षता, मजबूत खुफिया तंत्र, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता होती है। भारत ने इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आतंकवाद का नया डिजिटल मॉडल भी भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के सामने लंबे समय तक सफल नहीं हो पाएगा। जीरो टॉलरेंस की नीति, सतर्क सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता और जागरूक नागरिकों के सहयोग से आतंकवाद के हर नए रूप का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। यही राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार हैं)

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

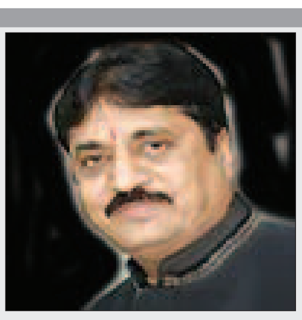

ललित गर्ग

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती की नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अतः बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिर्खइ देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिेट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट

सोना करीब 600 टूटा, चांदी 1,300 रुपए लुढ़की

नई दिल्ली।

कच्चे तेल की कीमतों में आए तेज उछाल का असर अब सोने-चांदी के बाजारों पर दिख रहा है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) द्वारा मौद्रिक नीति को और सख्त किए जाने की बढ़ती आशंकाओं के चलते शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में सोने-चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। फेडरल रिजर्व के कड़े रुख अपनाने की संभावनाओं ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने-चांदी से दूर कर दिया है। ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोना हल्की बढ़त के साथ खुला जरूर, लेकिन बाद में यह लुढ़क गया और खबर लिखे जाने तक 19.10 डॉलर की गिरावट के साथ 4,031.10 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 0.52 डॉलर की कमजोरी के साथ 57.53 डॉलर प्रति औंस पर थी। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी कीमती धातुओं में बड़ी गिरावट देखी गई। सोने का अगस्त वायदा अनुबंध 591 रुपए की गिरावट के साथ 1,42,230 रुपए प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। चांदी का सितंबर वायदा अनुबंध 1,312 रुपए की बड़ी गिरावट के साथ 2,18,063 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गया। यह गिरावट कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण वैश्विक महंगाई और ब्याज दरों में वृद्धि की चिंताओं को दर्शाती है।

नेस्ले का भारत पर भरोसा कायम, दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली ।

स्विट्जरलैंड की खाद्य एवं पेय क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नेस्ले एसए के एक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ने कहा है कि भारत कंपनी के लिए विकास का एक महत्वपूर्ण इंजन बना रहेगा। कर ढांचे में बदलाव से मिलने वाला लाभ तीसरी तिमाही से कम होने लगेगा, इसके बावजूद भारतीय बाजार में दोहरे अंक की मजबूत वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। नेस्ले की आय संबंधी जानकारी साझा करते हुए नावराटिल ने भारत के बेहद मजबूत प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय उत्पादों की बेहतर उपलब्धता, मजबूत वितरण नेटवर्क और प्रभावी ब्रांड समर्थन को दिया। सीईओ ने स्वीकार किया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बदलावों से मिला अतिरिक्त लाभ तीसरी तिमाही से समाप्त हो जाएगा। इसके बावजूद, नावराटिल ने भारत से अभी भी दोहरे अंक की वृद्धि की उम्मीद जताई। नेस्ले की आय रिपोर्ट के अनुसार, भारत जिस एशिया, ओशिनिया एवं अफ्रीका (एओए) क्षेत्र का हिस्सा है, उसने 2026 की दूसरी तिमाही में 6.5 प्रतिशत की जैविक वृद्धि दर्ज की। इस क्षेत्र में सभी प्रमुख श्रेणियों में व्यापक वृद्धि देखी गई।

कैलिबर माइनिंग का शेयर निर्गम मूल्य के मुकाबले 19 प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 424 रुपये के मुकाबले लगभग 19 प्रतिशत बढ़त के साथ शुक्रवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 18.86 प्रतिशत की बढ़त के साथ 504 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में यह 19.75 प्रतिशत चढ़कर 507.75 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर शेयर 17.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 500.25 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार पूंजीकरण 3,178.90 करोड़ रुपये रहा।

कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) का मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 146.64 गुना अभिदान मिला था।आईपीओ 400 करोड़ रुपये के नए शेयर और 50 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण था। इसके लिए 402-424 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया था।वर्ष 2014 में गठित कैलिबर माइनिंग एंड लॉजिस्टिक्स एकीकृत खनन सेवा प्रदाता कंपनी है। इसकी अपनी कोई खदान नहीं है लेकिन यह अपने ग्राहकों को खनन और लॉजिस्टिक्स सेवाएं देती है।

कच्चे तेल में उछाल से भारतीय शेयर बाजार फिसला

सेक्स 700 अंक टूटा, निफ्टी 23,700 के नीचे फिसला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में आए तेज उछाल के चलते भारी गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। वैश्विक स्तर पर तेल के दाम दो महीने के उच्च स्तर पर पहुंचने से निवेशकों की धारणा बुरी तरह प्रभावित हुई और बाजार में जोरदार बिकवाली देखी गई। सुबह शुरुआत में प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 207 अंक टूटकर 23,662.70 पर आ गया, जबकि सेंसेक्स में 718.41 अंक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जो 75,672.98 के स्तर पर पहुंच गया। प्रमुख शेयरों और व्यापक बाजार का हाल निफ्टी 50 इंडेक्स में एटर्नल, श्रीराम फाइनेंस और बजाज फाइनेंस के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। व्यापक बाजार पर भी मंदी का असर साफ दिखा; निफ्टी मिडकैप इंडेक्स लगभग 0.63 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 0.62 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में गिरावट दर्ज की गई। ईरान पर अमेरिकी सैन्य हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया। इस कारण सेंसेक्स 363.66 अंक गिरकर 76,391.39 पर बंद हुआ।

त्योहारी सीजन में मर्सिडीज-बेंज की रिकॉर्ड बिक्री उम्मीद

लगभग 2,000 ऑर्डर लंबित, ईवी की बिक्री में 14 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

लग्जरी कार निर्माता मर्सिडीज-बेंज त्योहारी सीजन में धमाकेदार बिक्री की उम्मीद कर रही है, जिससे वह अपने सर्वश्रेष्ठ वर्ष की ओर बढ़ रही है। मजबूत ऑर्डर बुक और लगातार मांग के दम पर, कंपनी ने कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। वर्तमान में मर्सिडीज-बेंज के पास ग्राहकों के 2,000 ऑर्डर लंबित हैं। हाल ही में लॉन्च हुई सीएलए इस साल के अंत तक बुक हो चुकी है, जबकि ईक्यूएस एसयूवी के लिए तीन-चार महीने का इंतजार है। कंपनी के एक अे धिकारी बताया कि कंपनी किसी एक इंजन तकनीक पर केंद्रित नहीं है; ग्राहकों को पेट्रोल, डीजल, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) और प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (पीएचईवी) जैसे सभी विकल्प उपलब्ध हैं। कुल बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है। पीएचईवी उन ग्राहकों के लिए अतिरिक्त विकल्प है जो इलेक्ट्रिक अनुभव चाहते हैं पर चार्जिंग की सीमाएं हैं। यह तकनीक पसंद पर आधारित रहेगी, पूरे पोर्टफोलियो में नहीं। पुर्जों का स्थानीयकरण मात्रा पर निर्भर करेगा।

सोना कॉमस्टार की अगले 10 साल में 10 गुना कारोबार बढ़ाने की तैयारी

कंपनी ने पिछली तिमाही में 54 फीसदी राजस्व वृद्धि दर्ज की

नई दिल्ली ।

ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी दिग्गज सोना कॉमस्टार ने अपनी अगली पीढ़ी की वृद्धि के लिए एक महत्वाकांक्षी रणनीति, सोना कॉमस्टार 2.0 का अनावरण किया है। कंपनी ने रोबोटिक्स, फिजिकल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई मोबिलिटी टेक्नोलॉजी पर बड़ा दांव लगाते हुए संकेत दिया है कि वह अगले दशक में अपनी आय में 10 गुना वृद्धि दोहराना चाहती है। जैविक विस्तार और अधिग्रहण के माध्यम से नए उत्पाद वर्टिकल का तेजी से विकास, पूर्वी बाजारों में अपनी उपस्थिति मजबूत करना, और विद्युतीकरण के साथ-साथ इंटेलिजेंट व कनेक्टेड सिस्टम को एक दीर्घकालिक तकनीकी स्तंभ के रूप में विकसित करना। इस योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा एक नए रोबोटिक्स और फिजिकल एआई वर्टिकल की शुरुआत है। कंपनी ने पिछले दशक में अपनी आय में दस गुना वृद्धि हासिल की थी।वित्त वर्ष 2025 में 3,555 करोड़ रुपये की आय के साथ, कंपनी का अनुमान है कि वह अगले दशक में 35,000 करोड़ रुपये तक का कारोबार कर सकती है। इसके अलावा, कंपनी ने 30 जून को समाप्त तिमाही के लिए मजबूत समेकित नतीजे घोषित किए, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 54 प्रतिशत बढ़कर 1,310 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 45 प्रतिशत बढ़कर 181 करोड़ रुपये रहा। बैटरी इलेक्ट्रिक व्हीकल से होने वाला राजस्व 107 प्रतिशत बढ़कर दोगुना हो गया।

कच्चा तेल मई के बाद पहली बार 100 डॉलर के पार

पश्चिम एशिया की आग, तेल में उबाल, दुनिया पर महंगाई का संकट गहराया

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता ने वैश्विक चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिसका सीधा असर क'चे तेल की कीमतों पर दिख रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव मई के बाद पहली बार 100 डॉलर प्रति बैरल के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर गया है, जो दुनिया भर में महंगाई और आर्थिक मंदी के नए जोखिम खड़े कर रहा है। शुक्रवार सुबह के कारोबार में ब्रेंट क्रूड का सितंबर वायदा भाव 100.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 91.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। क'चे तेल की कीमतों में इस जबरदस्त उछाल की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में गहराता सैन्य तनाव है। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपनी सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है, जिसके जवाब में यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में तेल टैंकरों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। यह वही महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है जिसका उपयोग सऊदी अरब सहित कई प्रमुख तेल उत्पादक देश निर्यात के लिए करते हैं। कुछ समय पहले अमेरिका और ईरान के बीच संघर्षविराम की उम्मीदों ने तेल की कीमतों को नीचे लाया था, लेकिन अब बातचीत की संभावना कमजोर पड़ गई है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी साफ कर दिया है कि ईरान का नेतृत्व फिलहाल किसी समझौते के लिए तैयार नहीं है। यदि क'चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों के केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कटौती टाल सकते हैं, जिससे होम लोन, कार लोन और अन्य कर्ज महंगे बने रहेंगे। ब्रिटेन के केंद्रीय बैंक ने लगातार चार बैठकों में ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है, वहीं अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वॉर्श ने भी महंगाई पर कड़ी निगरानी रखने का संकेत दिया है। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश क'चा तेल आयात करता है। ब्रेंट क्रूड का 100 डॉलर के आसपास या उससे ऊपर बना रहना भारत के लिए चुनौती खड़ी करेगा। इससे पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं, आयात बिल में वृद्धि होगी, रुपये पर दबाव आएगा और समग्र महंगाई बढ़ने का जोखिम पैदा होगा। निवेशकों की नजर अब पश्चिम एशिया की स्थिति और क'चे तेल की कीमतों की भावी चाल पर टिकी रहेगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 331, निफ्टी 102 अंक गिरा

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। साप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। कच्चे तेल की कीमतों में आये उछाल और अमेरिका के भारत से खरीदे जाने वाले सामान पर 10 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा से भी बाजार पर दबाव पड़ा है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 331.62 अंक नीचे आकर 76,059.77 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 102.15 अंक गिरकर 23,767.45 अंक पर बंद हुआ। इस प्रकार देखा जाये तो पूरे सप्ताह ही बाजार में गिरावट रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील और सन फार्मा के शेयर भी नीचे आये। वहीं दूसरी ओर, एचसीएल टेक, आईटीसी, एक्सिस बैंक, ट्रेंट, मारुति, रिलायंस, टीसीएस और कोटक बैंक के शेयरों में बढ़त आई।

आज निफ्टी मेंबजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा गिरे। वहीं ब्रॉडर मार्केट में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप के शेयरों में भी गिरावट रही। सेक्टरवाइज देखें तो निफ्टी ऑटो में 1 फीसदी की गिरावट आई और यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा। निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन भी कमजोर रहा जबकि निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी ने अच्छा प्रदर्शन किया। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। ।

भारत का 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल श्रीलंका का दौरा करेगा

व्यापार और निवेश साझेदारी को मिलेगी गति

कोलंबो

। भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) का 30 सदस्यीय उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल व्यापार, निवेश और कारोबारी साझेदारी की नई संभावनाओं की तलाश में श्रीलंका का दौरा करेगा। श्रीलंका के समकक्ष संगठन, सीलोन चैंबर ऑफ कॉमर्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रतिभागियों के लिए 28 जुलाई को एक महत्वपूर्ण नेटवर्किंग सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने का मंच मिलेगा। यह प्रतिनिधिमंडल विनिर्माण, निर्माण, इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य सेवा, अक्षय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी, कृषि, पर्यटन, खाद्य प्रसंस्करण और निर्यात-आयात जैसे विविध क्षेत्रों से जुड़े सदस्यों को सम्मिलित करता है। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब भारत श्रीलंका के सबसे महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदारों और निवेश स्रोतों में से एक है, और इसका उद्देश्य सीमा-पार कारोबारी संबंधों को मजबूती प्रदान करना है। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत परंपरागत रूप से श्रीलंका के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है।

एप्पल आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो के बढ़ सकते हैं दाम

मुंबई ।

अब एप्पल के लोकप्रिय आईफोन खरीदने के लिए ग्राहकों को अपनी जेब और ढीली करनी पड़ सकती है। ताजा रिपोर्टों के अनुसार, टेक दिग्गज एप्पल अपने आईफोन 17 और आईफोन 17 प्रो सीरीज के स्मार्टफोन की कीमतों में जल्द ही इजाफा कर सकती है। यह कदम तब उठाया जा रहा है जब सैमसंग सहित कई अन्य चाइनीज ब्रांड पहले ही अपने स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ा चुके हैं, और एप्पल खुद भी अपने आईपैड और मैकबुक की कीमतों में वृद्धि कर चुका है।

एक रिपोर्ट दावा किया गया हैं कि एप्पल अपने आईफोन की कीमतों में करीब 15 प्रतिशत तक का इजाफा कर सकता है। रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि इस बढ़ोतरी के बाद, बीते साल 82,900 रुपये में बिकने वाला द्धक्कद्धश्ठ्ठ्र 17 (256जीबी) अब करीब 94,900 रुपये का हो सकता है, जिसका मतलब है सीधे 12 हजार रुपये की वृद्धि। इस तरह, आईफोन 17 प्रो और आईफोन 17 प्रो मैक्स मॉडल की कीमतों में भी समान बढ़ोतरी की उम्मीद है। हालांकि, एप्पल की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है। कंपनी लंबे समय से महंगे होते कंपोनेंट और चिप के बढ़ते दामों का सामना कर रही है, जिसकी वजह से वह अपने लाभ मार्जिन को बनाए रखने के लिए यह कदम उठा रही है। एप्पल ने बीते सप्ताह ही अपने मैकबुक और आईपैड की कीमतों में 20 से 42 प्रतिशत तक का इजाफा किया था, लेकिन तब आईफोन की कीमतों को इससे बाहर रखा गया था। कंपनी ने हाल ही में जापान में भी आईफोन की कीमतों में करीब 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है।

आरबीआई की रियायती विंडो से पहले बैंकों की डॉलर बॉन्ड जारी करने की तैयारी

फेडरल बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) भी इस दौड़ में शामिल

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रदान की गई रियायती स्वैप विंडो के दिसंबर में समाप्त होने से पहले कई प्रमुख भारतीय बैंक डॉलर बॉन्ड जारी करने की तैयारी में हैं। इसका मुख्य उद्देश्य कम हेजिंग लागत का लाभ उठाना है। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) सहित कई बड़े ऋणदाता विदेशी बाजारों से पूंजी जुटाने की योजना बना रहे हैं। कोटक महिंद्रा बैंक भी इस मामले पर विचार कर रहा है। आरबीआई की यह सुविधा पात्र विदेशी मुद्रा बॉन्ड (ओएफसीबी) और बाहरी कमर्शियल बॉरोइंग (ईसीबी) पर हेजिंग लागत का 1.5 प्रतिशत तक का हिस्सा कवर करती है, जिसके तहत केंद्रीय बैंक ने पहले ही 3.3 अरब डॉलर की फंडिंग में मदद की है। फेडरल बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) भी इस दौड़ में शामिल हैं। हालांकि, पहले एचडीएफसी बैंक और एसबीआई जैसे बड़े बैंकों द्वारा डॉलर बॉन्ड जारी करने से बाजार में एक सुस्ती देखी गई थी। निवेशकों को भारी आपूर्ति की आशंका थी, जिससे क्रेडिट स्प्रेड में वृद्धि हुई और फंडिंग की लागत कम आकर्षक हो गई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड और बॉन्ड स्प्रेड जैसे कारकों को रियायती सुविधा में शामिल न होने के कारण, रुपये में फंडिंग की प्रभावी लागत घरेलू उधार के समान ही थी। बाजार के जानकारों के अनुसार, जून तिमाही के नतीजों से पहले कई बैंकों का साइलेंट पीरियड में होना भी एक कारण था।

अब अधिकांश निजी बैंक अपने नतीजे घोषित कर चुके हैं और विदेशी बॉन्ड बाजार में उतरने के लिए तैयार हैं। वे बॉन्ड जारी करने के समय और लागत पर सावधानीपूर्वक विचार कर रहे हैं, ताकि विदेशी पूंजी घरेलू उधार से अधिक लाभदायक हो। जुटाई गई धनराशि का उपयोग मुख्यतः बैंकों की बैलेंस शीट के जरिए एनआरआई जमाकर्ताओं को लिवरेज सुविधा प्रदान करने के लिए किया जाएगा। एचडीएफसी बैंक पहले ही जून में 75 करोड़ डॉलर जुटा चुका है और एक और बार फंड जुटाने पर विचार कर रहा है।

ओरिएंट सीमेंट का पहली तिमाही का मुनाफा 62.4 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 62.4 प्रतिशत घटकर 77 करोड़ रुपये रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 205 करोड़ रुपये था। अदाणी समूह की अंबुजा सीमेंट्स की अनुषंगी कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 30.25 प्रतिशत घटकर 604 करोड़ रुपये रह गई जो एक साल पहले की समान अवधि में 866 करोड़ रुपये थी। ओरिएंट सीमेंट का कुल खर्च भी 30.11 प्रतिशत घटकर 506 करोड़ रुपये रह गया जबकि पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 724 करोड़ रुपये था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी एक अलग सूचना में बताया कि उसने वेना एनर्जी केएन विंड पावर प्राइवेट लिमिटेड में 9.04 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। इस 12,34,350 रुपये के सौदे में शेयर और संचयी परिवर्तनीय तरजीही शेयर शामिल हैं।कंपनी ने बताया कि प्रस्तावित अधिग्रहण 31 अगस्त, 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा।

अमेरिका ने 60 देशों पर लगाया मजदूरी शुल्क~ भारत समेत 17 पर 10 फीसदी बोझ

ट्रंप प्रशासन का ट्रेड एक्ट 301 के तहत बड़ा कदम

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने जबरन मजदूरी से तैयार किए गए सामान के उत्पादन पर रोक लगाने के प्रयासों के तहत भारत सहित 60 देशों पर नए आयात शुल्क लगाने की घोषणा की है। शुक्रवार मध्यरात्रि से प्रभावी हुए इन शुल्कों के तहत, भारत समेत 17 देशों पर 10 फीसदी और शेष 43 देशों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। भारत को अपनी विदेश व्यापार नीति में संशोधन कर जबरन मजदूरी वाले सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाने के कारण कम शुल्क वर्ग में रखा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 301 के तहत यह अंतिम कार्रवाई की है। 60 देशों में से 17 अर्थव्यवस्थाएं, जिनमें भारत, कनाडा, ब्रिटेन, बांग्लादेश और पाकिस्तान शामिल हैं, उन पर 10 फीसदी शुल्क लागू होगा। अमेरिकी प्रशासन ने स्वीकार किया है कि इन देशों ने जबरन मजदूरी से बने सामान के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में कदम उठाए हैं। विशेष रूप से, भारत ने अपनी नीति में बदलाव कर ऐसे सामानों के आयात पर प्रतिबंध लगाया, जिससे उसे प्रस्तावित 12.5 फीसदी के बजाय 10 फीसदी शुल्क के दायरे में रखा गया। वहीं चीन और जापान जैसे 43 देश उन पर 12.5 फीसदी शुल्क का सामना करेंगे, क्योंकि वे जबरन मजदूरी से बने उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाने और उसे प्रभावी ढंग से लागू करने में विफल रहे हैं।

अब रसोई में भी इथेनॉल, एलपीजी पर निर्भरता घटाने की तैयारी

स्वच्छ ईंधन से ऊर्जा सुरक्षा बढ़ाने और किसानों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य

नई दिल्ली । पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण (ई20) की सफलता के बाद केंद्र सरकार अब घरेलू रसोई के लिए इथेनॉल-आधारित कुकिंग फ्यूल का विकल्प लाने पर विचार कर रही है। पेट्रोलियम मंत्रालय इस नीति पर काम कर रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य एलपीजी आयात पर निर्भरता कम करना और देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करना है। सरकार मानती है कि इथेनॉल एक स्वच्छ जैव ईंधन है, जो कार्बन उत्सर्जन घटाएगा। इसकी बढ़ती मांग से गन्ना व अन्य फसलों से जुड़े किसानों को लाभ मिलेगा और घरेलू ईंधन उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, यह योजना अभी शुरुआती चरण में है। मंत्रालय को इथेनॉल स्टोव, आपूर्ति प्रणाली, सुरक्षा मानक और आम उपभोक्ता तक पहुंच जैसे कई पहलुओं पर काम करना बाकी है। सुरक्षित व सुविधाजनक उपयोग सुनिश्चित करने के लिए नीति लागू करने से पहले गहन तकनीकी जांच और विशेषज्ञों की सलाह ली जाएगी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि पेट्रोल में ई20 से अधिक इथेनॉल की मात्रा बढ़ाने पर अभी कोई नया फैसला नहीं लिया गया है।

चाइना ओपन में सिंधु को करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी– पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत–** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं। उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20–16 कर लिया। यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया। ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22–20 से नाम कर लिया। इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15–13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं–** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी। पीवी सिंधु ने 15–13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं। हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी। पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए। दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21–18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने–** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉजेन, एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्कांडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं।युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं।उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अर्कांडी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर-कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देंगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा।

द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी

फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अनकैप्ड स्पिनर को किया शामिल

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम की घोषणा की

त्रिनिदाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशन को जगह दी है। बिशप ने पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में बारबाडोस प्राइड और वेस्टइंडीज एकेडमी के लिए कुल 91 विकेट लिए हैं, जो उस दौरान किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल के चोटिल होने के कारण किर्क मैकेंजी की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। कैंपबेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गए। मैकेंजी ने हालिया वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में छह पारियों में 64.60 की औसत से 323 रन बनाए थे। इस बीच, अल्जारी जोसेफ निजी कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सीरीज़ का पहला मैच 25 से 29 जुलाई के बीच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर होने वाला पहला टेस्ट मैच

होगा, जिससे यह इस इलाके का 13वां ऐसा मैदान बन जाएगा जहां टेस्ट क्रिकेट खेला जाएगा। दूसरा मैच 2 से 6 अगस्त के बीच ऐतिहासिक क्वींस पाक 'ओवल में होगा। वेस्टइंडीज अभी तालिका में आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान सबसे आखिरी स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, टैगनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जांगू, शामार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किक 'मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच और जेडन सील्स।

राष्ट्रमंडल खेल में किया कमाल

भारतीय तैराक नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे

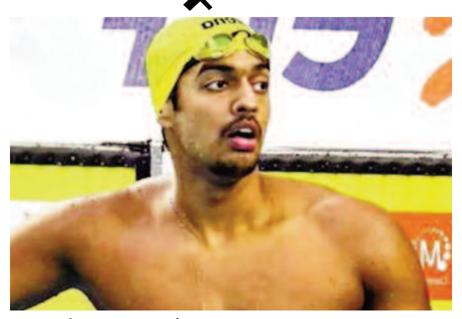

ग्लास्गो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

जूडोका तुलिका मान निलंबित

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लास्गो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं। एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें'प्लेयर ऑफ़ द मैच'का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ हैः या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

वैभव सबसे युवा

अर्धशतकवीर

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी।15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

19 गेंदों में वैभव ने मचाया तूफान

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया। उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। ऑन–फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया। इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके। उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया।भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा। मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए। शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक–एक सफलता मिली। डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

मिथुन — का की कू घ ङ छ के को हा
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 3958

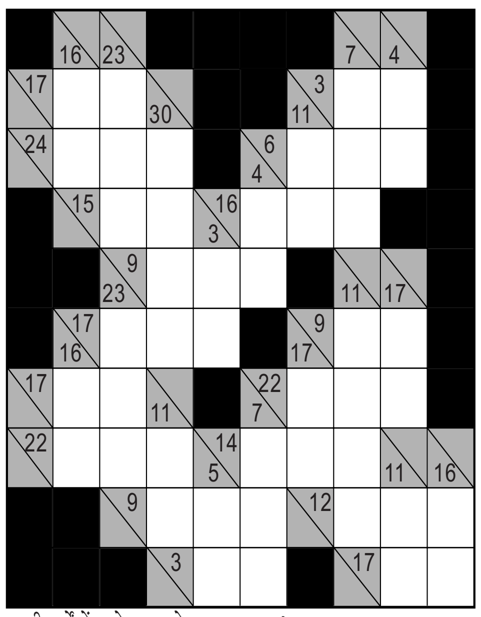

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

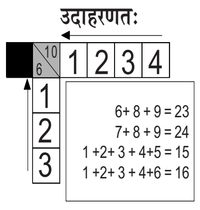

काकुरो - 3957 का हल

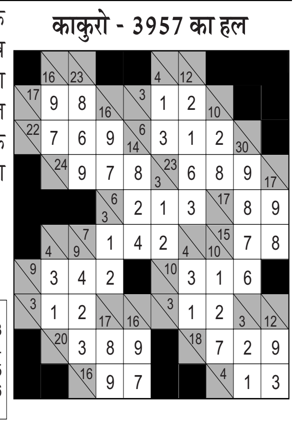

लॉफिंग ज़ोन

एक ऐसी युवती थी, जिसका कभी किसी से कोई रोमांस नहीं हुआ था। एक दिन उसने रोमांटिक ख्वाब देखा- जब वह गार्डन में घूम रही थी, तभी एक सुंदर युवक ने साड़ी के पीछे छुपकर उससे लिपट गया। वह भागी लेकिन एक घने पेड़ की मधुर छाया में तरुण ने उसे पकड़ लिया।

तुम-तुम क्या करने जा रहे हो? वह हकबकाई।

शैतानी से मुस्कराकर युवक बोला- तुम बताओ। यह तुम्हारा सपना है।

□ □ □

अखबार पढ़ते प्रेमी को प्रेमिका ने पीछे से जोरदार घूँसा मारा। इस पर प्रेमी ने कहा -क्या हुआ, प्रिया?

प्रेमिका- तुम्हारी शर्ट की जेब में एक कागज मिला था जिस पर मेरी (लड़की का नाम) लिखा हुआ था।

प्रेमी- अरे नहीं प्रिये, तुम्हें याद है पिछले सप्ताह मैं ट्रेकिंग पर गया था। मैंने घोड़े की सवारी की थी। मेरी उसी घोड़े का नाम है।

अगले दिन प्रेमिका ने फिर जोरदार घूँसा मारा।

प्रेमी- अब क्या हुआ प्रिये?

प्रेमिका - तुम्हारे घोड़े का फोन आया था।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3958

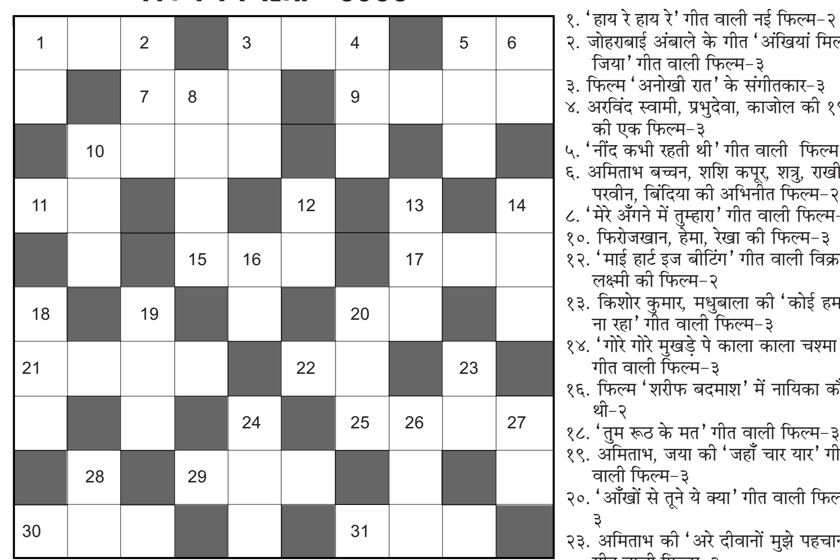

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म-३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म-२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है-४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म-४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म-२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म-३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म-२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म-२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म-३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म-३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म-२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार-३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म-३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म-३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म-२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म-४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म-३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म-२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी-२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म-३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म-३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म-३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म-२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3957

सूडोकु -3958

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3957 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

शब्द पहेली - 3958

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -3957 का हल

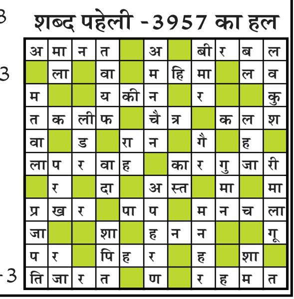

काबुली चने की चाट

सामग्री

- 200 ग्राम काबुली चने या छोले
- 50 ग्राम मटर के दाने
- 1 मध्?यम आकार का प्याज
- 2 हरी मिर्च
- 2 चम्मच तेल
- 1 चुटकी सरसों
- 1 चुटकी उड़द की दाल
- मीठा नीम
- 1 चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक।

विधि

शाम की चाय के साथ चटपटी काबुली चना चाट बनाने के लिए सबसे पहले छोलों को 5 से 6 घंटे के लिए भिगोकर रख दें। इसके बाद अब छोलों में थोड़ा सा नमक और चुटकी भर सोड़ा डालकर उन्हें उबाल लें। अब मटर के दाने को गरम पानी में एक-दो बार उबालकर उसका पानी निथार लें। अब प्याज और हरी मिर्च बारीक काटकर एक कढ़ाई में तेल गरम करके उसमें उड़द की दाल, राई या सरसों में से एक चीज डालकर भून लें। अब इसमें मिर्च, मीठा नीम डालकर फ्राई करे लें। इसके बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक भूनने के बाद उसमें चने मिला दें। इस से थोड़ा नमक डालकर चनों को अच्छे से मिला लें। अब ऊपर से नींबू का रस धनिया काटकर बुरक दें। आपकी स्पाइसी काबुली चना चाट बनकर तैयार है। इसे शाम की चाय के सर्व करें।

सेब की चटनी

सामग्री

- हरे सेब- चार
- गुड़- एक बडा चम्मच (कतरा हुआ)
- जीरा- एक छोटा चम्मच
- सरसों- एक छोटा चम्मच
- मिर्च पाउडर- एक छोटा चम्मच
- गरम मसाला पाउडर- एक छोटा चम्मच
- आलिव/रिफाइंड ऑयल- एक बड़ा चम्मच
- काली मिर्च पाउडर- आधा छोटा चम्मच

विधि

सबसे पहले सेब का छिलका उतारकर उसे कद्दूकस कर लें। फिर एक पैन में ऑलिव ऑयल डालकर उसे गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें सरसों डालकर भूनें। इसके बाद मिर्च, जीरा, गरम मसाला, काली मिर्च पाउडर डालें और उसे हल्का सा भूनें। मसाले भुनने के बाद सेब, नमक और गुड़ पैन में डालें और मध्यम आंच पर लगभग पन्द्रह मिनट तक पकाएं। जब चटनी थोड़ी गाढ़ी हो जाए, तो समझ जाएं कि यह तैयार हो गयी है। अब गैस को बंद कर दें। लीजिए, सेब की चटनी तैयार हुई। ठंडा होने पर इसे स्नैक्स अथवा भोजन के साथ परोसें। चाहें तो सेब की चटनी फ्रिज में रख कर 7-8 दिनों तक इस्तेमाल कर सकते हैं। बच्चों को यह चटनी बेहद पसंद आएगी।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर शहनाज गिल ने बताया अपना अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री शहनाज गिल ने हाल ही में लॉन्ग-डिस्टेंस रिलेशनशिप को लेकर एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इसे लेकर मन में एक डर आता है।

जब शहनाज से पूछा गया कि क्या दूर रहने से प्यार बढ़ता है या कम हो जाता है? इस पर उन्होंने कहा, 'जब दो लोग एक-दूसरे से दूर होते हैं, तो प्यार और पार्टनर की अहमियत बढ़ जाती है। लेकिन इसके साथ ही एक डर भी मन में आता है कि सामने वाला इंसान पीठ पीछे क्या कर रहा होगा। इसलिए दूरी से शक भी बढ़ जाता है।' शहनाज ने कहा, 'मेरा मानना है कि अगर प्यार सच्चा हो और पार्टनर पास हो, तो रिश्ते में किसी दूरी की जरूरत नहीं होती।'

आज के दौर में प्यार

जब शहनाज से पूछा गया कि आज के डेटिंग ऐप्स के जमाने में क्या ऐसा सच्चा प्यार मुमकिन है? तो उन्होंने कहा कि प्यार किसी भी तरह का हो, चाहे पुराने जमाने का या आज के दौर का बस दिल में सच्चा प्यार होना चाहिए।

फिल्म 'इश्कनामा' एक सच्ची घटना पर आधारित बताई जा रही है। यह फिल्म निम्मा और नसीमा नाम के दो प्रेमियों की असल जिंदगी की कहानी है। इसकी कहानी 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के आस-पास की है, जो प्यार, उनके त्याग और मजबूरी में अलग होने के दर्द को दिखाती है।

किस किताब पर आधारित है 'इश्कनामा'

फिल्म 'इश्कनामा', 'हिंद पाक बॉर्डरनामा' नाम की किताब पर बनी बताई जा रही है। इस फिल्म में शहनाज गिल के साथ जय रंधावा और सौरभ सचदेवा मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर अरविंद एस. खैरा हैं। फिल्म का म्यूजिक बी प्राक ने दिया है और गाने जानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 24 जुलाई को भारत, कनाडा और यूके समेत दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

खुशकिस्मत हूं की टाइपकास्ट नहीं हुई

रसिका दुगल ने गहरे और हटकर किरदारों को चुनकर अपना करियर बनाया है। लेकिन वह मानती हैं कि एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि उनका करियर किस दिशा में जा रहा है। जहां 'मिर्जापुर' ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई, वहीं रसिका का कहना है कि 'मंटो' ने उन्हें उनके करियर के सबसे मुश्किल दौर से बाहर निकाला। रसिका ने उन किरदारों के बारे में बात की जिन्होंने उनकी जिंदगी बदल दी।

'मंटो' ऐसे समय में मिली जब सबसे ज्यादा जरूरत थी

बातचीत में अपने करियर के लिए सबसे अहम प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए रसिका ने कहा कि 'मिर्जापुर' बेशक सबसे ज्यादा लोगों तक पहुंची। लेकिन 'मंटो' ऐसे समय में मिली जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। एक ऐसा प्रोजेक्ट जिसमें लोगों ने मुझे एक अलग नजरिए से देखा और जो बहुत बड़े दर्शकों तक पहुंचा, वह निश्चित रूप से 'मिर्जापुर' था। लेकिन मुझे लगता है कि जिस चीज ने मुझे उस मुश्किल दौर से बाहर निकाला, वह 'मंटो' थी।

रसिका का कहना है कि वह खुशकिस्मत रहीं कि एक ही तरह के किरदारों में बंधकर नहीं रह गईं। 'मिर्जापुर' में एक्टर्स को उनके किरदारों के नाम से जाना जाता है। लेकिन मैं लकी थी क्योंकि 'मंटो', 'मिर्जापुर' और 'दिल्ली क्राइम' लगभग एक ही समय पर रिलीज हुए थे। 'दिल्ली क्राइम' और 'मिर्जापुर' में बिल्कुल अलग-अलग किरदार थे। इसलिए मैं खुशकिस्मत थी कि मुझे उस विविधता को आजमाने और दिखाने का मौका मिला। दोनों ने अपने-अपने तरीके से बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। 'दिल्ली क्राइम' एक बहुत ही शानदार शो है। रसिका ने माना कि टाइपकास्टिंग से बचना हमेशा उनकी प्राथमिकता नहीं थी।

रियलिटी शो में आता है कलाकारों का असली चेहरा, किरदार से अलग होती है पहचान

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह 'बिग बॉस 18' में नजर आने के बाद काफी सुर्खियों में रही हैं। अब उन्होंने रियलिटी शो और एक्टिंग की दुनिया के बीच के फर्क को लेकर अपनी राय साझा की है।

उनका मानना है कि रियलिटी शो कलाकार के असली स्वभाव को समझने का मौका देते हैं। जब कोई कलाकार रियलिटी शो में आता है तो दर्शक उसे उसके निभाए किरदारों से अलग एक इंसान के रूप में जान पाते हैं। इंटरव्यू में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को ज्यादा लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती है, लेकिन दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी के बारे में जानने में हमेशा दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें इसलिए देखना पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और करीब से जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, व्यवहार और पसंद-नापसंद को समझने का मौका मिलता है।'' अभिनेत्री ने उदाहरण देते हुए कहा, ''दर्शक मेरे निभाए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार खुद के रूप में सामने आता है।''

ईशा सिंह ने कहा, ''यही वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग जुड़ाव बन जाता है। लोग सिर्फ किसी कलाकार का काम ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है।'' उन्होंने आगे कहा, ''रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व और अलग दर्शक वर्ग होता है। रियलिटी शो में कलाकार का निजी पक्ष सामने आता है, जबकि अभिनय में कलाकार किसी कहानी और किरदार को जीता है। रियलिटी शो की अपनी अलग ऑडियंस होती है। आज कई तरह के रियलिटी शो बनाए जा रहे हैं। लेकिन एक्टिंग पूरी तरह अलग चीज है। यह बिल्कुल अलग तरह का क्षेत्र है।''

'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मैं जिंदगी भर याद रखूंगी

अभिनेत्री यामी गौतम को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री घोषित किया गया है। उन्हें फिल्म 'आर्टिकल 370' में बेहतरीन अदाकारी करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इसके अलावा उनकी फिल्म 'आर्टिकल 370' को सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार दिया गया है। इस कामयाबी से अभिनेत्री खुश हैं। पुरस्कार मिलने पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखी है। अभिनेत्री ने पुरस्कार मिलने के बाद एक्स पर लिखा 'हर सफर में एक ऐसा पल आता है, जो आपको याद दिलाता है कि आपने हार क्यों नहीं मानी। आज मेरे लिए वही पल है। 'आर्टिकल 370' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिलना मेरे लिए एक ऐसा सम्मान है जिसे मैं जिंदगी भर याद रखूंगी।' उन्होंने आगे लिखा 'चौदह वर्षों से, मैंने बस अपने काम के प्रति ईमानदार रहने, ईमानदारी से काम करने और अपनी परफॉर्मेंस को ही अपनी पहचान बनाने की कोशिश की है। यह सम्मान उम्मीद, हिम्मत, मजबूती और सिनेमा के लिए अटूट प्यार से भरे सफर का नतीजा लगता है। यह एक ऐसा सपना है, जिसे मैंने वर्षों से अपने दिल में संजोकर रखा था और आज, मैं इसे बहुत आभार और विनम्रता के साथ स्वीकार कर रही हूं।'

यामी ने जताया आभार

उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' को चुनने के लिए और इसे पुरस्कार देने के लिए सभी शुभचिंतकों और उन सभी आभार जताया है। उन्होंने लिखा 'मेरे परिवार, मेरी टीम, मेरे शुभचिंतकों और उन सभी लोगों का शुक्रिया जिन्होंने उतार-चढ़ाव के हर दौर में मुझ पर भरोसा किया। आपके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ते रहने की हिम्मत दी, तब भी जब मंजिल बहुत दूर लगती थी।'

'आर्टिकल 370' को तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिलने पर गदगद हैं आदित्य धर

बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम का एलान हुआ। यामी गौतम अभिनीत फिल्म 'आर्टिकल 370' को बेस्ट फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला है। इसके अलावा फिल्म ने दो और पुरस्कार जीते हैं। इसी फिल्म के लिए यामी गौतम के नाम का एलान सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के तौर पर किया गया है। इसके अलावा सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए शाश्वत सचदेव ने पुरस्कार जीता है। इस पर आदित्य धर ने रिएक्शन दिया है।

आदित्य धर ने जताई खुशी

बता दें कि 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार साल 2024 के लिए प्रदान किए जाएंगे। विजेताओं का एलान हो चुका है। 'आर्टिकल 370' को तीन पुरस्कार मिलने पर आदित्य धर गदगद हैं। उन्होंने इस फिल्म का निर्माण किया है। 'धुरंधर' डायरेक्टर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर खुशी जताई है और यह वादा किया है कि वे इसी तरह की कहानियां लाते रहेंगे।

शब्दों में बयां करना मुश्किल

आदित्य धर ने लिखा है, 'फिल्म 'आर्टिकल 370' के लिए तीन नेशनल अवॉर्ड जीतना एक ऐसा पल है, जिसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। यह अनुभव मुझे विनम्र और भावुक बनाता है और मेरा दिल गहरे आभार से भर देता है। जब हमने यह फिल्म बनाने का फैसला किया, तो हमारा मकसद अवॉर्ड पाना नहीं था। हम ईमानदारी, हिम्मत और सच्चाई के साथ एक कहानी कहने के पक्के इरादे से प्रेरित थे। यह देखना वाकई बहुत सुखद है कि देश भर के दर्शकों ने इस सफर को पसंद किया और अब इसे भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े सम्मान से नवाजा गया है।

ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे

आदित्य ने आगे लिखा है, 'जियो स्टूडियोज में हमारे पार्टनर्स, खासकर ज्योति देशपांडे का दिल से शुक्रिया, जिन्होंने अटूट भरोसे के साथ इस फिल्म का साथ दिया और सार्थक सिनेमा को बढ़ावा दिया। पुरस्कार मिलना खुशी तो है ही, साथ ही वे आगे की जिम्मेदारी की याद भी दिलाते हैं। यह सम्मान हमारे इस भरोसे को और मजबूत करता है कि ईमानदारी, पक्के इरादे और मकसद के साथ कही गई कहानियां हमेशा अपनी जगह बना ही लेती हैं। यह मंजिल नहीं है। यह एक वादा है कि हम नई सीमाएं तय करते रहेंगे, ऐसी कहानियां सुनाते रहेंगे, जो मायने रखती हैं और ऐसा सिनेमा बनाते रहेंगे जो बातचीत शुरू करे। भावनाओं को जगाए और एक गहरी छाप छोड़े। दिल की गहराइयों से... धन्यवाद। यह सम्मान हम सभी का है। जय हिंद'।

यामी और प्रियामणि के अभिनय को सराहा

इस शानदार सम्मान के लिए सम्मानित जूरी का और उन सभी लोगों का मैं तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने 'आर्टिकल 370' देखी, उसे सपोर्ट किया, उस पर चर्चा की और उसमें भरोसा जताया। आपके प्यार ने इस फिल्म को स्क्रीन से परे एक नई जिंदगी दी। यह सम्मान हमारे बेहतरीन डायरेक्टर, आदित्य सुहास जांभले का है, जिनकी सोच और पक्के इरादे ने हर फ्रेम को आकार दिया। यामी गौतम और प्रियामणि का भी शुक्रिया, जिन्होंने अपनी एक्टिंग में इतनी गहराई, मजबूती और सच्चाई दिखाई। शाश्वत सचदेव का भी धन्यवाद, जिनका संगीत हमारी कहानी कहने की कला की जान बन गया। हमारी कास्ट और क्रू के हर सदस्य का भी शुक्रिया, जिनकी लगातार मेहनत, जुनून और भरोसे ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया'।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलियाई मां ने एक साथ चार जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की 34 वर्षीय जेनिथार सौ नाअमोआना ने क्वींसलैंड के रॉयल ब्रिस्बेन एंड विमेंस हॉस्पिटल में एक साथ चार समान जुड़वा बच्चियों को जन्म दिया है। यह एक अत्यंत दुर्लभ प्राकृतिक गर्भावस्था थी, जिसमें एक ही निषेचित अंडाणु चार भागों में विभाजित हो गया। विशेषज्ञों के अनुसार स्वाभाविक रूप से ऐसी स्थिति बनने की संभावना 1.5 करोड़ में से 1 होती है और ऑस्ट्रेलिया में ऐसा पहली बार हुआ है। महिला के पहले से चार बच्चे हैं। डॉक्टरों की देखरेख में 14 जुलाई को सिजेरियन डिलीवरी के जरिये बच्चियों का जन्म हुआ।

चीनी रक्षा अताशे ने 12 नागरिकों को बचाने के लिए भारतीय सेना का जताया आभार

बीजिंग, एजेंसी। भारत में चीन के नए रक्षा अताशे रियर एडमिरल यू जियान ने मंगलवार को चीनी सेना (पीएलए) की 99वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह में भारतीय सेना का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पिछले साल जून में केरल तट के पास विस्फोट के बाद मालवाहक जहाज से 12 चीनी क्रू सदस्यों को सुरक्षित बचाने के लिए भारतीय सेना को धन्यवाद दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच सैन्य जुड़ाव, संचार और सहयोग बढ़ाने का आह्वान किया। जियान ने कहा कि चीन और भारत महत्वपूर्ण पड़ोसी हैं। दोनों देशों के साझा हित उनके मतभेदों से कहीं अधिक बड़े हैं।

उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 4 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मोहमंद जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों ने एक खुफिया-आधारित अभियान के दौरान तहरीक-ए-तालिबान के चार आतंकवादियों को ढेर कर दिया। पुलिस के अनुसार, इलाके में उग्रवादियों की मौजूदगी की सटीक जानकारी मिलने के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई थी। सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच लगभग एक घंटे से अधिक समय तक रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी है और इलाके में छिपे अन्य आतंकवादियों का सफाया करने के लिए तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

भारत से पहली सीधी मालगाड़ी पहुंची नेपाल, द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगी रफ्तार

काठमांडू, एजेंसी। भारत-नेपाल व्यापार के लिए ऐतिहासिक कदम के तहत कैनोला दानों से लदी मालगाड़ी पहली बार 20 जुलाई को कोलकाता पोर्ट से विराटनगर स्थित नेपाल कस्टम्स यार्ड पहुंची। 40 वैगन वाली यह मालगाड़ी जोगबनी स्थित भारतीय सीमा शुल्क यार्ड के रास्ते पहुंची। नवंबर 2025 में संशोधित भारत-नेपाल पारगमन संधि के बाद इस रेल गलियारे का यह पहला व्यावसायिक उपयोग है। ज्ञात हो कि जोगबनी-विराटनगर ब्रॉडगेज रेल लिंक का उद्घाटन 1 जून 2023 को पीएम नरेंद्र मोदी और तत्कालीन नेपाली पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड ने किया था। भारत से सहायता प्राप्त इस परियोजना से रसद लागत घटेगी और कोलकाता व विशाखापत्तनम बंदरगाहों से माल सीधे नेपाल पहुंचेगा।

नाइजीरिया में स्वच्छ पानी और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में हैजा का प्रकोप, बोर्नी राज्य में 200 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। स्वच्छ पानी और पर्याप्त सफाई व स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में नाइजीरिया के पूर्वोत्तर राज्य बोर्नी में पिछले दो महीनों में हैजा के प्रकोप में लगभग 200 लोगों की मौत हो चुकी है। यह जानकारी एक अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा मानवीय संगठन डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडिसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स-एमएसएफ भी कहते हैं) ने दी है। बुधवार को स्थानीय समयानुसार जारी एक बयान में एमएसएफ ने बीमारी के बढ़ते प्रकोप पर चिंता व्यक्त की और चेतावनी दी कि चल रहे राहत प्रयासों के बावजूद यह बीमारी स्थानीय स्वास्थ्य सुविधाओं पर भारी पड़ सकती है। एमएसएफ ने बोर्नी राज्य सरकार द्वारा जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि 12 जुलाई तक राज्य में कम से कम 198 लोगों की मौत हो चुकी थी और 35,500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए थे। संगठन ने बताया कि सरकारी स्वास्थ्य अधिकारियों और मानवीय सहायता भागीदारों के साथ मिलकर काम करते हुए उसने 12 जुलाई तक हैजा के संदिग्ध 24,000 से अधिक रोगियों का इलाज किया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, संगठन ने प्रभावित समुदायों में स्वच्छ पानी, स्वच्छता और स्वास्थ्य सेवाओं की अपर्याप्त उपलब्धता को बीमारी के लगातार फैलने का कारण बताया। अप्रैल में नाइजीरिया के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र ने भारी बारिश और बाढ़ से जुड़े हैजा के प्रकोप के खतरे को देखते हुए 10 राज्यों को उच्च सतर्कता पर रखा था।

फ्रांस में कीटनाशक पर बैन हटा, पर्यावरण मंत्री का इस्तीफा

कहा- मधुमक्खियों की जान बचाना जरूरी, सरकार बोली- किसानों को बचाना ज्यादा जरूरी

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस की पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने इस्तीफा देने का ऐलान किया है। उन्होंने यह फैसला विवादित कृषि बिल के विरोध में लिया है, जिसमें दो प्रतिबंधित कीटनाशकों के इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि ये कीटनाशक मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए नुकसानदायक हैं। पर्यावरण मंत्री बनीं बारबू आज राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को अपना इस्तीफा सौंपेंगी। फ्रांस की संसद ने मंगलवार को यह बिल पेश किया था। सीनेट ने 214-111 मतों से विधेयक पारित कर दिया। सरकार ने दावा किया कि ये कानून किसानों की मदद के लिए लाया जा रहा है। उसका कहना है कि किसानों को घटती कमाई और खेती की बढ़ती लागत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

बिल के दो प्रावधानों से सबसे ज्यादा विवाद : 1. कीटनाशकों की मंजूरी: प्रतिबंधित कीटनाशकों एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन के इस्तेमाल की अस्थायी मंजूरी देना। इसका इस्तेमाल चुकंदर, सेब और चेरी की खेती में किया जा सकेगा।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि इससे मधुमक्खियों की संख्या तेजी से घटेगी जिससे परागण पर असर पड़ेगा। इससे किसानों की पैदावार और आय पर उल्टा असर पड़ेगा।

2. पानी जमा करने की इजाजत: किसानों को सिंचाई के लिए बड़े जलाशय या कृत्रिम तालाब बनाने की अनुमति आसानी से मिले।

नुकसान- पर्यावरणविदों का कहना है कि ये जलाशय भूजल और नदियों से बड़ी मात्रा में पानी भरते हैं। इससे गर्मियों में नदियों और भूजल का स्तर घट सकता है जिससे पारिस्थितिक तंत्र पर असर पड़ेगा।

आखिरी समय में जोड़े गए दोनों प्रावधान : इन्हीं प्रावधानों को लेकर पर्यावरणविदों और सरकार के भीतर भी विरोध बढ़ गया। इसके विरोध में पर्यावरण मंत्री मोनिक बारबू ने पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि वह कीटनाशक और पानी के भंडारण से जुड़े दोनों प्रस्तावों के खिलाफ थीं। ये दोनों प्रावधान विधेयक में आखिरी समय में जोड़े गए थे, ताकि रूढ़िवादी बहुमत वाली सीनेट से इसे पारित कराया जा सके। बारबू ने आरोप लगाया कि सरकार ने उनसे किए गए वादे के विपरीत इस प्रावधान को हटाने पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी। बारबू ने सोशल मीडिया पर लिखा, पिछले नौ महीनों में मैंने जंगलों, साफ पानी, स्वच्छ हवा, उपजाऊ मिट्टी और जैव विविधता की रक्षा के लिए काम किया। लेकिन विरोधी ताकतें इतनी मजबूत हो गई हैं कि मैं अपने मकसद पूरे नहीं कर पा रही। राजनीति मेरी दुनिया नहीं है और अगर राजनीति ऐसी ही होती है, तो यह कभी मेरी दुनिया नहीं बन सकती।

कीटनाशकों की मंजूरी के पीछे सरकार का तर्क : सरकार का कहना है कि नए प्रावधान लाने का फैसला उन किसानों की मदद के लिए लिया गया है, जो मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। किसानों की लागत बढ़ने और कमाई घटने से खेती करना मुश्किल हो गया है। सरकार के मुताबिक अगर कीटनाशकों के सीमित इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी गई, तो फ्रांस के किसान यूरोप के दूसरे देशों के किसानों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। क्योंकि कई यूरोपीय देशों में इन कीटनाशकों के इस्तेमाल की अनुमति पहले से है। फ्रांस की कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड ने बारबू के विरोध पर नाराजगी भी जताई। उन्होंने कहा, 'अगर यह कानून विरोध या राजनीतिक कारणों से पास नहीं होता, तो पहले से मुश्किलों का सामना कर रहे किसान और ज्यादा संकट में आ जाते।'

पहले भी विवाद में रहा है यह कीटनाशक : एसेटामिप्रिड और फ्लुपाइराडीफ्यूरोन रसायन नियोनिकोटिनॉइड नाम के कीटनाशकों के समूह में आते हैं। यूरोपीय संघ के नियमों के तहत इनका इस्तेमाल कुछ शर्तों के साथ किया जा सकता है, लेकिन फ्रांस में इन पर फिलहाल प्रतिबंध है। एसेटामिप्रिड पर फ्रांस ने 2018 में प्रतिबंध लगाया था, क्योंकि इसे मधुमक्खियों और दूसरे परागण करने वाले कीड़ों के लिए हानिकारक माना गया था।

एक साल पहले भी इस रसायन पर बैन हटाने की कोशिशें हुई थीं लेकिन फ्रांस की सुप्रीम कोर्ट ने इससे इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा था कि इससे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर खतरा पैदा हो सकता है। इस प्रस्ताव के खिलाफ 20 लाख से ज्यादा लोगों ने हस्ताक्षर कर विरोध जताया था।

पाकिस्तान में पेट्रोल पंप मालिकों ने किया हड़ताल का ऐलान; जनता की बढ़ी मुश्किलें

इस्लामाबाद, एजेंसी। आर्थिक तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान में अब आम जनता के लिए पेट्रोल और डीजल की एक-एक बूंद मिलना मुश्किल हो सकता है। पाकिस्तान सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों को लेकर एक ऐसा फैसला किया है, जिसने देश भर के पेट्रोल पंप मालिकों को नाराज कर दिया है। तेल और गैस नियामक प्राधिकरण ने घोषणा की है कि अब पेट्रोल और डीजल की कीमतें हर सात दिन के बजाय रोजाना आधार पर तय की जाएंगी। सरकार के इस कदम के खिलाफ पेट्रोल पंप मालिकों ने मोर्चा खोलते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल और धरने पर जाने का ऐलान कर दिया है।

पेट्रोलियम मामलों के संघीय मंत्री अली परवेज मलिक ने जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद अब ओ जी आर ए हर दिन तेल की कीमतें निर्धारित करेगा। इन नई कीमतों को रोजाना प्राधिकरण की वेबसाइट पर सार्वजनिक किया जाएगा। आंकड़ों के मुताबिक, 22 जुलाई को पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत 320.73 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 367.21 रुपये प्रति लीटर दर्ज की गई है। ईरान-अमेरिका तनाव का पड़ा सीधा असर पाकिस्तान सरकार ने इस नीतिगत बदलाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय स्थितियों को जिम्मेदार ठहराया है। संघीय मंत्री अली परवेज मलिक के अनुसार, पिछले कुछ समय से ईरान और अमेरिका के बीच जारी सैन्य तनाव के कारण वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसी अनिश्चितता को देखते हुए सरकार ने दैनिक आधार पर कीमतें जारी करने का फैसला लिया है, ताकि बाजार में उतार-चढ़ाव का सही आकलन हो सके। जनता पर पड़ेगा तत्काल प्रभाव सरकार का बताया कि इस फैसले से पेट्रोलियम उत्पादों के मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता आएगी। सूचना मंत्री अट्टा तारार के अनुसार, पहले वैश्विक बाजार में कीमतों में होने वाली गिरावट का फायदा जनता तक पहुंचने में एक हफ्ते का समय लगता था। अब यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें कम होती हैं, तो उसका लाभ तुरंत उपभोक्ताओं को मिल सकेगा। हालांकि, सरकार ने यह भी कहा है कि इस व्यवस्था को लागू करना चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि कीमतों में वृद्धि का प्रभाव भी जनता पर तत्काल पड़ेगा।

भारत के सामने झुके नेपाल के प्रधानमंत्री ! बालेन शाह ने भारतीय राजदूत को मिलने के लिए बुलाया

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद अपनी विदेश नीति में बड़ा बदलाव करने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने विदेशी राजनयिकों से अकेले मुलाकात नहीं करने का नियम बनाया था। अब खबर है कि वह इसी सप्ताह भारत और चीन के राजदूतों से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। इसे उनकी विदेश नीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के कार्यकाल को 100 दिन से थोड़ा अधिक समय हुआ है। इस दौरान उन्हें दो बड़े जनविरोधों का सामना करना पड़ा। पहला विरोध भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम ड्यूटी लागू करने को लेकर हुआ, जबकि दूसरा विरोध एक राइड-शेयर चालक की पुलिस कार्रवाई के खिलाफ आत्मदाह की घटना के बाद भड़का। घरेलू चुनौतियों के बीच अब उन्होंने विदेश नीति में भी नरमी दिखाई है। रिपोर्टों के अनुसार, बालेन शाह इस सप्ताह भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव और चीन के राजदूत झांग माओमिंग से अलग-अलग मुलाकात करेंगे। माना जा रहा है कि वह दोनों पड़ोसी देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रखने का संदेश देना चाहते हैं। इसी वजह से दोनों मुलाकातें एक ही दिन करने की तैयारी की जा रही है।

प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने कहा था कि वह किसी भी विदेशी राजनयिक से अकेले मुलाकात नहीं करेंगे। इसी नीति के तहत उन्होंने भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, चीन के उप वाणिज्य मंत्री और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अलग बैठक करने से इनकार कर दिया था। इसके बजाय उन्होंने सभी विदेशी राजदूतों के साथ केवल सामूहिक बैठक की थी। बालेन शाह की इस नई व्यवस्था की नेपाल के कूटनीतिक हलकों और मीडिया में काफी आलोचना हुई। कई पूर्व अधिकारियों और विदेश नीति विशेषज्ञों ने इसे स्थापित कूटनीतिक परंपराओं के खिलाफ बताया। वरिष्ठ पत्रकार केशव प्रधान ने कहा था कि भारत के विदेश सचिव और भारतीय राजदूत से अलग मुलाकात से इनकार करना नेपाल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया। अब बालेन शाह का बदला रुख बताता है कि सरकार अपनी विदेश नीति में व्यावहारिक रास्ता अपनाने की कोशिश कर रही है।

पाकिस्तान के कराची में एचआईवी का प्रकोप, 6 मासूमों की मौत, 94 बच्चे संक्रमित, दहशत में सिंध प्रांत

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर कराची इस समय एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की चपेट में है। शहर के एक सरकारी अस्पताल में एचआईवी का भयानक प्रकोप सामने आया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल नवंबर से अब तक इस जानलेवा वायरस के संक्रमण की वजह से 6 मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है, जबकि कुल 94 बच्चे संक्रमित पाए गए हैं।

नवंबर 2025 से शुरू हुआ मौतों का सिलसिला : सिंध प्रांत के स्वास्थ्य सचिव ताहिर हुसैन सांगी ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि संक्रमण का यह सिलसिला नवंबर 2025 में कराची के कुलसूम बाई वालिका अस्पताल से शुरू हुआ था। यह अस्पताल 'सिंध एम्प्लॉइज सोशल सिक्योरिटी इंस्टीट्यूशन' द्वारा संचालित किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई आंतरिक जांच में यह खुलासा हुआ है कि अस्पताल का रिकॉर्ड संक्रमण की भयावहता की पुष्टि करता है। रिपोर्ट के अनुसार, केवल इस महीने में ही 16 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद संक्रमित बच्चों की कुल संख्या बढ़कर 94 हो गई है।

आसपास के इलाकों में फैला संक्रमण : अस्पताल में बच्चों के संक्रमित होने की खबर मिलते ही सिंध स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के इलाकों में बड़े पैमाने पर टेस्टिंग शुरू कर दी है। स्वास्थ्य सचिव के अनुसार, अस्पताल के निकटवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 10,000 लोगों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 120 लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए हैं। इन संक्रमितों में बच्चे और वयस्क दोनों शामिल हैं। प्रशासन अब यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि संक्रमण का प्राथमिक स्रोत क्या है और यह इतनी तेजी से आबादी के बीच कैसे फैला।

पाकिस्तान में कैसे फैला एचआईवी : पाकिस्तान में HIV फैलने का यह कोई पहला मामला नहीं है। इसी साल अप्रैल में भी एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें एक ही सिरिंज को कई मरीजों पर इस्तेमाल करने के कारण 331 बच्चों में संक्रमण फैल गया था। जांच के दौरान अस्पताल कर्मियों द्वारा बिना स्टेराइल दस्ताने पहने इंजेक्शन लगाने और मल्टी-डोज वायल्स के साथ सिरिंज का पुनः उपयोग करने की तस्वीरें भी सामने आई थीं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि कराची के इस मामले के पीछे भी चिकित्सकीय लापरवाही और संक्रमित सुइयों का उपयोग एक बड़ी वजह हो सकता है। बढ़ते दबाव के बीच, सिंध सरकार ने सभी संक्रमित मरीजों के जीवन भर चलने वाले इलाज का खर्च उठाने का फैसला किया है। स्वास्थ्य विभाग ने नामी डॉक्टरों की एक विशेष समिति का गठन किया है।

ईरान पर 12वीं रात भी बरसे अमेरिकी बम, सिरिक में जोरदार धमाके; ट्रंप ने बातचीत से किया साफ इनकार

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव अब एक खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है। अमेरिकी सेना ने बुधवार को लगातार 12वीं रात ईरान के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों से दक्षिणी ईरान का सिरिक क्षेत्र दहल उठा है, जहां देर रात भीषण धमाकों की आवाजें सुनी गईं। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि यह सैन्य कार्रवाई राष्ट्रपति और कमांडर-इन-चीफ के सीधे आदेश पर की गई है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार, यह हवाई हमले बुधवार शाम करीब 5:30 बजे (ईस्टर्न टाइम) शुरू किए गए। इस सैन्य ऑपरेशन का प्राथमिक उद्देश्य ईरान की उन क्षमताओं को नष्ट करना है, जिनसे वह अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों और आम नाविकों के लिए खतरा पैदा कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी वायुसेना ने मुख्य रूप से ईरान के एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज सेंटर, सैन्य ऑपरेशन्स मुख्यालय और समुद्री रसद बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर भारी क्षति पहुंचाई है।

होर्मुज स्ट्रेट में बढ़ता तनाव : अमेरिका का दावा है कि ये हमले ईरान को जवाब देने के लिए जरूरी थे। गौरतलब है कि मंगलवार को ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर को निशाना बनाया था, जिसके बाद स्थिति और बिगड़ गई। इस जंग की तपिश अब पड़ोसी देशों तक भी पहुंच रही है। बहरीन और कुवैत जैसे देशों में मिसाइल हमलों की आशंका के चलते सायरन बजाकर अलर्ट जारी किया गया है। सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सिलसिला नहीं थमा, तो वैश्विक अर्थव्यवस्था और कच्चे तेल की सप्लाई चैन पर इसका विनाशकारी असर पड़ सकता है।

ट्रंप का कड़ा रुख : इधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि फिलहाल उनकी ईरान के साथ किसी भी तरह की बातचीत में कोई रुचि नहीं है। ट्रंप के हालिया बयानों ने दुनिया की चिंता और बढ़ा दी है, क्योंकि उन्होंने संकेत दिया है कि अमेरिकी सेना जल्द ही ईरान के उन क्षेत्रों को भी निशाना बना सकती है जो परमाणु संवर्धन केंद्रों के करीब हैं। अमेरिका का स्पष्ट कहना है कि जब तक ईरान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के लिए खतरा बना रहेगा, तब तक यह मिशन जारी रहेगा।

ईरान की ओर से भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां : ईरान भी जवाबी कार्रवाई की धमकियां दे रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र में पूर्ण युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस समय शांति की अपील कर रहा है, लेकिन व्हाइट हाउस के तेवरों से लगता है कि अमेरिका ईरान की सैन्य शक्ति को पूरी तरह पंगु बनाने के मूड में है।

अमेरिका: एरिजोना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में भारतवंशी अमीश शाह जीते, अब किससे होगा मुकाबला?

फिनिक्स (एरिजोना), एजेंसी। भारतीय मूल के अमीश शाह ने बुधवार को एरिजोना के एक अहम कांग्रेस (संसद) क्षेत्र में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल की है। यह काफी कड़ा मुकाबला था। शाह की जीत से डेमोक्रेटिक कांग्रेसनल कैंपेन कमेटी (डीसीसीसी) को झटका लगा है, क्योंकि उसने शाह के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार का समर्थन किया था। यह नतीजा ऐसे समय आया है, जब ज्यादा से ज्यादा मतदाता वाशिंगटन में पार्टी नेताओं की पसंद को खारिज कर रहे हैं।

आपातकालीन चिकित्सक अमीश शाह अब आम चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार जे फीली का सामना करेंगे। फीली नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) के पूर्व खिलाड़ी हैं और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्राइमरी चुनाव में उनका समर्थन किया था। राजनीति में विरोधी बनने से पहले फीली और शाह एक ही टीम न्यूयॉर्क जेट्स का हिस्सा थे। शाह टीम के किनारे तैनात डॉक्टर थे, जबकि फीली टीम के किकर थे। डीसीसीसी ने मार्लीन गैलन-वूड्स का समर्थन किया था। वह पहले रिपब्लिकन पार्टी में थीं और ट्रंप के पहले कार्यकाल की शुरुआत में डेमोक्रेटिक पार्टी में शामिल हो गई थीं। पहले कांग्रेस क्षेत्र के लिए यह मुकाबला काफी अहम माना जा रहा था। इस क्षेत्र में उत्तर-पूर्वी फीनिक्स, स्कॉट्सडेल, फाउंटेन हिल्स और पैराडाइज वैली जैसे समृद्ध इलाके शामिल हैं। माना जा रहा है कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में किस पार्टी का नियंत्रण रहेगा, इसे तय करने में यह चुनाव भूमिका निभा सकता है। हालांकि, इस क्षेत्र में रिपब्लिकन मतदाता ज्यादा हैं, लेकिन पिछले एक दशक में यहां के लोगों की राजनीतिक सोच कुछ हद तक बदली है। यह सीट खाली हुई है क्योंकि रिपब्लिकन सांसद डेविड श्वाइकर्ट ने गवर्नर पद के लिए चुनाव लड़ा था। लेकिन मंगलवार को रिपब्लिकन प्राइमरी में वह एंडी बिग्स से हार गए। डीसीसीसी के गैलन-वूड्स को समर्थन देने के फैसले से स्थानीय डेमोक्रेट्स हैरान थे। इसकी वजह यह थी कि गैलन-वूड्स और शाह की राजनीतिक सोच में ज्यादा अंतर नहीं था। दोनों ही बीच की राजनीतिक सोच रखने वाले उम्मीदवार हैं। यह चुनाव डेमोक्रेटिक पार्टी में बढ़ते प्रगतिशील और मध्यमार्गी नेताओं के बीच विवाद का हिस्सा भी नहीं था। यह मुकाबला कुछ हद तक 2024 के चुनाव जैसा था। उस समय शाह ने कई उम्मीदवारों के बीच हुए प्राइमरी मुकाबले में मामूली अंतर से जीत हासिल की थी। उस चुनाव में गैलन-वूड्स भी शामिल थीं। हालांकि, आम चुनाव में शाह हार गए थे। उस साल डीसीसीसी ने प्राइमरी में किसी उम्मीदवार का समर्थन नहीं किया था।

केन्या में बड़ा हादसा, भारी बारिश से सोने की खदान ढहने से 5 खनिकों की दर्दनाक मौत

नैरोबी, एजेंसी। दक्षिण-पश्चिमी केन्या के नारोक काउंटी से एक बहुत ही दुखद और भयानक खबर सामने आई है। यहां भारी बारिश के कारण एक सोने की खदान की सुरंग अचानक ढह गई है। इस खदान हादसे में कम से कम पांच खनिकों की दर्दनाक मौत हो गई है। प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में पूरी तरह से जुटे हुए हैं।

नारोक काउंटी के पुलिस कमांडर पैट्रिक लोबोलिया ने इस भयानक घटना और मौतों की आधिकारिक पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस ढही हुई सुरंग के अंदर अभी भी कई खनिकों के फंसे होने की भारी आशंका है। बचाव दल उन सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने की अपनी पूरी कोशिश कर रहे हैं। अभी तक कई घायल खनिकों को बचाकर पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इलाज के लिए भेजा गया है।

राहत और बचाव में आ रही मुश्किल : पुलिस कमांडर लोबोरिया ने बताया कि किलिमापेसा इलाके में तलाशी और बचाव का काम लगातार चल रहा है। लेकिन विशेष खनन उपकरणों और अंडरग्राउंड कैमरों की कमी के कारण इस काम में काफी परेशानी आ रही है। इन जरूरी मशीनों के अभाव में खदान के अंदर चल रहा बचाव अभियान बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। फिर भी बचाव दल अपनी पूरी ताकत और हिम्मत के साथ फंसे हुए लोगों को निकालने का प्रयास कर रहे हैं।

किलिमापेसा की व्यावसायिक खदान : यह भीषण हादसा नारोक शहर से लगभग 180 किलोमीटर दक्षिण में स्थित किलिमापेसा इलाके में हुआ है। किलिमापेसा में ही पूरे केन्या देश की सबसे बड़ी और प्रमुख व्यावसायिक सोने की खदान मौजूद है। यह दर्दनाक घटना देश के सोना खनन क्षेत्र में खनिकों की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े करती है। पिछले कुछ वर्षों में भी केन्या की खदानों में हुए कई बड़े हादसों में बहुत से लोगों की जान जा चुकी है।

घायलों का अस्पताल में चल रहा इलाज : अधिकारियों के मुताबिक खदान ढहने की इस भयानक घटना के तुरंत बाद आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच गई थीं। मलबे से सुरक्षित निकाले गए कई घायल खनिकों को प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत अस्पताल भेजा गया है। पास के स्वास्थ्य केंद्रों में इन सभी घायलों का बहुत ही बारीकी से इलाज किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें घायलों की स्थिति पर लगातार अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं।

सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग : लगातार हो रही इन खदान दुर्घटनाओं के बाद स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी ज्यादा गुस्सा है। खनन क्षेत्र से जुड़े कई संगठनों ने सरकार से सुरक्षा नियमों को बहुत सख्ती से लागू करने की मांग की है। संगठनों का कहना है कि खदानों में काम करने वालों के लिए बेहतर सुरक्षा मानक तय होने चाहिए। बिना सख्त नियमों के चल रहे इस खनन कार्य से निर्दोष और गरीब मजदूरों की जान बार-बार खतरे में पड़ रही है। केन्या में हजारों छोटे स्तर के खनिकों और मजदूरों के लिए यह सोने का खनन ही रोजी-रोटी का बड़ा जरिया है। सोना मिलने वाले इन इलाकों में कई जगहों पर बिना किसी नियम के अवैध और असुरक्षित खनन हो रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)